गांधी जी के सुविचार

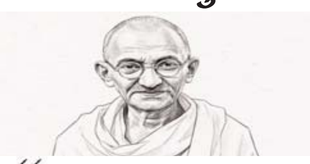

"सत्य एक विशाल वृक्ष है, उसकी ज्यों-ज्यों सेवा की जाती है, त्यों-त्यों उसमे अनेक फल आते हुए नजर आते है, उनका अंत ही नहीं होता

- महात्मा गाँधी"

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-208 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 27 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

तेलंगाना में गणेश विसर्जन के दौरान हादसों में सब-इंस्पेक्टर समेत 13 लोगों की मौत, 26 गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, (आरएनएस)। तेलंगाना में गणेश उत्सव के समापन और प्रतिमा विसर्जन के दौरान कई दर्दनाक हादसों की खबर सामने आई है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में विसर्जन समारोहों के दौरान हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में 13 लोगों की असमय जान चली गई, जबकि 26 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जान गंवाने वालों में ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। इस दुखद घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि खुद तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने की है।डीजीपी सीवी आनंद ने शनिवार को मीडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि राज्यभर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान विभिन्न स्थानों पर अनहोनी घटनाएं सामने आईं। इन त्रासदियों में एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर सहित कुल 13 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 26 लोग जख्मी हुए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। हालांकि, ये हादसे किन परिस्थितियों में हुए—क्या यह पानी में डूबने से हुए या भीड़ और अन्य दुर्घटनाओं के कारण—इसको लेकर विस्तृत प्रशासनिक रिपोर्ट जुटाई जा रही है।डीजीपी ने इस दौरान पूरे राज्य में आयोजित गणेश उत्सव का व्यापक ब्यौरा भी पेश किया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में आधिकारिक पंडालों और सार्वजनिक मंचों पर लगभग 1.24 लाख गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। इसके अलावा, यदि आम नागरिकों के घरों, गेटेड कम्युनिटीज और निजी अपार्टमेंट परिसरों में स्थापित मूर्तियों को भी जोड़ लिया जाए, तो यह आंकड़ा लगभग 3.5 लाख से 4 लाख प्रतिमाओं तक पहुंच जाता है।गणेश उत्सव के अंतिम चरण में विसर्जन के लिए हैदराबाद सहित पूरे राज्य में व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त और भीड़ नियंत्रण के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रमुख जलस्रोतों, झीलों और कृत्रिम तालाबों पर क्रेन और राहत-बचाव दस्तों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई थी।

गणेश पंडाल में सो रहे लोगों पर टूटा हाईटेंशन बिजली का तार, करंट से 4 युवकों की दर्दनाक मौत; मची चीख-पुकार

मंडला (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले से शनिवार सुबह एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। नैनपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम हीरापुर में स्थित गणेश मंच के पंडाल पर अचानक बिजली का चालू तार टूटकर गिर पड़ा। पंडाल में बिजली का करंट दौड़ते ही गहरी नींद में सो रहे चार युवकों की मौके पर ही झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। घायलों में से एक युवक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शनिवार सुबह करीब 5 बजे घटित हुई। बिजली के खंभे पर लगे टीसी (ट्रांसफार्मर कनेक्शन) और मीटर के पास से अचानक एक मुख्य बिजली का तार टूटकर सीधे पंडाल की टीन और लोहे के ढांचे पर गिर गया। उस वक्त पंडाल के भीतर सेवादार और स्थानीय मिलाकर करीब 7 से 8 युवक सो रहे थे। अचानक फैले जोरदार करंट ने सोते हुए युवकों को संभलने का जरा भी मौका नहीं दिया। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान जैनू भांवरे (19), रवि झारिया (24), कृष्ण कुमार भांवरे (18) और वीरेंद्र भांवरे (24) के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से झुलसे प्रियांशु का अस्पताल में इलाज जारी है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की।

नागालैंड में जहरीली शराब से 19 लोगों की मौत, 19 गिरफ्तार

कोहिमा (आरएनएस)। नागालैंड में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से पिछले दो दिनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग जिले में 11 लोगों की मौत हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मिलावटी शराब के स्रोत का पता लगाने और मौतों के कारणों की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वेसुप्रा केजो ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों की मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए नमूने फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मौतें जहरीली या मिलावटी शराब के सेवन से हुई हैं या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। केजो ने कहा कि जांच के दौरान पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन फिलहाल इनके बारे में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करना जल्दबाजी होगी। पुलिस शराब के स्रोत और इसके वितरण से जुड़े लोगों का पता लगाने में जुटी है।

राम मंदिर दान चोरी में 67 लोगों के शामिल होने का दावा, 73,480 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को पुलिस ने बनाया सरकारी गवाह, 133 गवाहों के बयान दर्ज

अयोध्या (आरएनएस)। अयोध्या स्थित राम मंदिर के दान की राशि में कथित चोरी के मामले में पुलिस ने 73,480 पन्नों का विस्तृत आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल किया है। पुलिस ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को मामले में आरोपी नहीं बनाया है। तीनों को सरकारी गवाह बनाया गया है। आरोप-पत्र में इनके अलावा 130 अन्य लोगों को भी गवाह बनाया गया है। जांच में सामने आया है कि मंदिर के एक कर्मचारी ने सबसे पहले दान की राशि में चोरी का मामला पकड़ा था।आरोप-पत्र में दर्ज बयानों के अनुसार, मंदिर के गणना कक्ष में कई दिनों से चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। पुलिस की जांच में कथित चोरी में 67 लोगों की संलिप्तता का उल्लेख किया गया है। चोरी की पहली सूचना चंपत राय तक वीडियो और लिखित संदेश के माध्यम से पहुंची थी।चंपत राय के बयान के मुताबिक, 4 जून को दिल्ली से अयोध्या लौटते समय आनंद कुमार चौधरी ने उन्हें संदेश भेजकर गणना कक्ष के स्नानघर से बरामद 2.25 लाख रुपये की राशि का वीडियो और लिखित जानकारी भेजी थी।

दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान में अनिश्चितकालीन देरी, करिपुर हवाईअड्डे पर यात्रियों का प्रदर्शन

मलप्पुरम (केरल),(आरएनएस)। दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान में अनिश्चितकालीन देरी से नाराज यात्रियों ने शुक्रवार को केरल के करिपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विरोध-प्रदर्शन किया। उड़ान को शुक्रवार शाम छह बजे रवाना होना था, लेकिन यात्रियों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उड़ान रोक दी गई। इसके कारण 50 से अधिक यात्री कई घंटों से हवाईअड्डे पर फंसे हुए हैं। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं।

यात्रियों के अनुसार, वे निर्धारित समय पर हवाईअड्डे पहुंच गए थे, लेकिन उड़ान में देरी का स्पष्ट कारण उन्हें नहीं बताया गया। यात्रियों का कहना है कि एयरलाइन अधिकारियों से बार-बार जानकारी मांगने के बावजूद उन्हें यह तक नहीं बताया गया कि उड़ान कब रवाना होगी। इससे यात्रियों में नाराजगी बढ़ती गई और उन्होंने हवाईअड्डे पर विरोध शुरू कर दिया। फंसे यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें प्रतीक्षा कक्ष में रोक दिया गया, लेकिन पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई गईं। यात्रियों का कहना है कि उन्हें बदले हुए उड़ान समय की भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, उत्तराखंड में रेड अलर्ट, बादल फटने और भूस्खलन का खतरा

-छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। मानसून की विदाई का दौर शुरू होने के बावजूद देश के कई राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। वहीं मुंबई में शुक्रवार को दिनभर उमस भरी गर्मी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से आने वाले दिनों में मध्य भारत से लेकर उत्तर और पहाड़ी राज्यों तक बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं। राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अगले तीन दिनों तक हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि यहां भारी बारिश की संभावना कम है। मौसम विभाग के अनुसार रात के समय ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के लिए शनिवार और रविवार को रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। इसके चलते बादल फटने, भूस्खलन और मलबा आने की घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें बंद होने और यातायात प्रभावित होने की भी आशंका है।बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत, नैनीताल और ऊधम सिंह नगर में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं देहरादून, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली और अल्मोड़ा के लिए नारंगी चेतावनी जारी की गई है। प्रशासन और लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल है मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट की कोर थीम

भोपाल,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री गणेश अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर एक लंबे अंतराल के बाद भोपाल विकास योजना-2047 (मास्टर प्लान) के प्रारूप (ड्रॉफ्ट) का प्रकाशन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि कैपिटल सिटी की यह विकास योजना (मास्टर प्लान) भोपाल की प्राकृतिक धरोहर- भोजताल, वन क्षेत्रों एवं बाघ भ्रमण क्षेत्र के संरक्षण के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम मोबिलिटी और आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से तैयार की गई है। इस विकास योजना में हरित टीडीआर का बेहतर प्रावधान किया गया है, इससे हरित क्षेत्र में आने वाली भूमि के स्वामियों की क्षतिपूर्ति के साथ विकासकर्ताओं को टीडीआर के जरिए अतिरिक्त विकास की सुविधा भी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध, सुगम, सुरक्षित और विकसित भोपाल के संकल्प की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भोपाल विकास योजना के प्रकाशित प्रारूप पर नागरिकगण अपनी आपत्ति एवं सुझाव दे सकते हैं। प्रकाशित भोपाल मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट सतत् विकास, समावेशी शहर और समृद्ध भविष्य की संकल्पना से अभिप्रेरित है। इसकी कोर थीम हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल रखी गई है। इस मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट के चार प्रमुख आधार स्तंभ रखे गए हैं।

पटियाला की चिटकारा यूनिवर्सिटी में 'भूत' की अफवाह के बाद मचा हंगामा, पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़

पटियाला ,(आरएनएस)। पंजाब के राजपुरा में स्थित चिटकारा यूनिवर्सिटी में 'भूत' की अफवाह के बाद शुक्रवार देर रात हंगामा मच गया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। यूनिवर्सिटी के सैकड़ों छात्र सड़कों पर उतर आए और कैंपस में जमकर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की। फिलहाल, पटियाला पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

छात्रों का दावा था कि कैंपस में पहले किसी लड़की ने आत्महत्या की थी और उसका 'भूत' अब हॉस्टल के कमरों में रहने वाले छात्रों को परेशान कर रहा है। हालांकि, मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों और यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया कि यहां ऐसी कोई आत्महत्या की घटना नहीं हुई है।प्रशासन के मुताबिक, कुछ शरारती छात्र जानबूझकर दूसरे छात्रों के कमरों के दरवाजे खटखटाकर वहां से भाग जाते हैं। हालांकि, छात्र प्रशासन की इस दलील को मानने के लिए तैयार नहीं हुए और यूनिवर्सिटी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते रहे।

मामला बढ़ता देख थाना बनूड़, थाना सदर राजपुरा और थाना सिटी राजपुरा से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस की ओर से छात्रों को शांत करने और स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किए जाने के दौरान माहौल और बिगड़ गया। आरोप है कि छात्रों ने पुलिस टीम के साथ हाथापाई की और पुलिस की एक गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी।इस दौरान छात्रों की ओर से केएसएम चौकी (सिटी राजपुरा) के इंचार्ज अजय कुमार के साथ भी कथित तौर पर मारपीट किए जाने की जानकारी सामने आई। छात्रों ने आरोप लगाया कि चौकी इंचार्ज ने शराब पी रखी थी।

फिल्म टूरिज्म के क्षेत्र में विकसित होता नर्मदापुरम, फिल्म निर्माताओं का पसंदीदा स्पॉट बन रहा

नर्मदांचल में फिल्म पर्यटन की असीम संभावनाएं : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

मध्य प्रदेश शासन की नीतियों एवं प्रशासनिक सहायता से नर्मदापुरम जिले में फिल्म टूरिज्म भर रहा उड़ान

नर्मदापुरम (ए.)। मध्यप्रदेश को फिल्म टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के तहत नर्मदापुरम जिला भी फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा शूटिंग लोकेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। जिले के प्राकृतिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक स्थलों की खूबसूरती फिल्म निर्माताओं को आकर्षित कर रही है। इसी क्रम में लोकप्रिय वेब सीरीज 'महारानी' के सीजन-5 की शूटिंग का शुभारंभ गुरुवार को स्थानीय सर्किट हाउस में किया गया।स्थानीय सर्किट हाउस कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्णा एस. थोटा ने मुहूर्त शॉट का क्लैप देकर शूटिंग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन एवं डीएफओ गौरव शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश में औद्योगिक विकास, गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ फिल्म टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश में अधिक से अधिक फिल्मों की शूटिंग को आकर्षित करना, रोजगार के अवसरों का सृजन करना तथा स्थानीय युवाओं एवं प्रतिभाओं को फिल्म जगत से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। नर्मदापुरम में लगातार बढ़ रही फिल्म एवं वेब सीरीज की शूटिंग इस दिशा में जिले की संभावनाओं को प्रदर्शित कर रही है। लोकप्रिय वेब सीरीज 'महारानी' की शूटिंग लगातार पांचवें वर्ष नर्मदापुरम में होना जिले में बढ़ते फिल्म टूरिज्म का महत्वपूर्ण उदाहरण है। नर्मदापुरम की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय वातावरण ने फिल्म निर्माताओं के लिए जिले को एक आकर्षक शूटिंग लोकेशन के रूप में स्थापित किया है। फिल्मों एवं वेब सीरीज के माध्यम से नर्मदापुरम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलने की संभावनाएं बढ़ी हैं।कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा फिल्म निर्माताओं को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रयास है कि फिल्म निर्माताओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपयुक्त लोकेशन उपलब्ध हों और जिले में अधिक से अधिक फिल्मों एवं वेब सीरीज की शूटिंग हो। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में नर्मदापुरम फिल्म शूटिंग के लिए एक उपयुक्त स्थान के रूप में उभरा है।

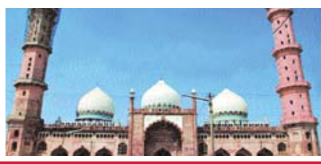

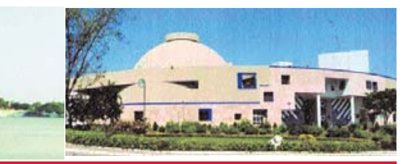

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट जारी होने पर विभिन्न व्यापारी संघों ने आभार जताकर किया अभिनन्दन

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शनिवार को भोपाल विकास योजना- 2047 (मास्टर प्लान) का ड्रॉफ्ट जारी होने पर भोपाल शहर के विभिन्न व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया। मास्टर प्लान के ड्रॉफ्ट रिलीज के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन भी किया। मौके पर उपस्थित व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि भोपाल शहर का मास्टर प्लान वर्तमान की एक बड़ी जरूरत थी, जिसे सरकार ने पूरा कर दिया है। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मांग की कि यदि अगले साल होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले फाइनल मास्टर प्लान रिलीज हो जाए, तो बहुत बेहतर होता।मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति के नेतृत्व में मप्र की रीयल इस्टेट से जुड़ी क्रेडाई संस्था की भोपाल इकाई, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भोपाल इकाई, कोलार व्यापारी महासंघ, कोलार के सर्राफा व्यापारी संघ, न्यू मार्केट व्यापारी संघ, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) व्यापारी संघ सहित विभिन्न व्यवसायों के प्रमुख संघों/संगठनों से जुड़े करीब 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने स्वागत-अभिनंदन किया। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को हृदय से धन्यवाद देकर कहा कि भोपाल शहर के विकास में सहयोगी और सहभागी बनने का जो मौका सरकार ने उन्हें दिया है, उस पर वे सब खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि भोपाल विकास योजना 2047 का उद्देश्य भोपाल को एक हरित, समृद्ध एवं समावेशी शहर के रूप में विकसित करना है। इसके ड्रॉफ्ट को हमारी सरकार, शहर के सभी जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, नागरिकों एवं अधिकारियों के साथ मिल-बैठकर परस्पर सहयोग एवं समन्वय से धरातल पर उतारकर साकार करेगी।

यूजीसी के नए प्रावधानों के विरोध में सवर्ण समाज का प्रदर्शन, राजभवन तक पैदल मार्च, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

भोपाल, (ए.)। यूजीसी के 2026 के नए प्रावधानों के विरोध में शनिवार को सवर्ण समाज ने भोपाल में प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा से राजभवन तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने नए प्रावधान वापस लेने, आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने और एससी-एसटी एक्ट के मामलों में कार्रवाई से पहले जांच की मांग की। सवर्ण समाज के कृष्णा बुंदेला ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में इस मुद्दे को लेकर छोटे स्तर पर कार्यक्रम किए जा रहे थे। शनिवार को भोपाल से आंदोलन को आगे बढ़ाने का औपचारिक आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन को दिल्ली तक ले जाने की शुरुआत है। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर समाज की ओर से दिल्ली कूच किया जाएगा। बुंदेला ने आरोप लगाया कि 2026 में लाए गए नए प्रावधानों से सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने सरकार से इन प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज अपने बच्चों के अधिकारों को लेकर आंदोलन जारी रखेगा। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था को आर्थिक आधार से जोड़ने की मांग भी उठाई। इसके अलावा एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई से पहले जांच की व्यवस्था करने की मांग की गई। बुंदेला ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार तक समाज की मांगें पहुंचाना है और आगे इसे दिल्ली तक ले जाने की तैयारी की जा रही है।

समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो विज्ञान और नवाचार : लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही विकसित भारत का निर्माण संभव
भोपाल विज्ञान मेले का समापन, विद्यार्थियों के नवाचारी मॉडलों की सराहना

भोपाल (आरएनएस)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य समाज की समस्याओं का समाधान करना और मानव जीवन को बेहतर बनाना है। विद्यार्थियों को केवल पुरस्कार अथवा प्रमाण-पत्र के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने के उद्देश्य से नवाचार करना चाहिए। उनमें से ही भविष्य के डॉक्टर, वैज्ञानिक और राष्ट्र निर्माता तैयार होंगे। मंत्री श्री सिंह शनिवार को ज्ञान-विज्ञान भवन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 'भोपाल विज्ञान मेला' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने विज्ञान भारती और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेले में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल केवल प्रदर्शन अथवा पुरस्कार तक सीमित नहीं हैं। ये मॉडल वर्तमान समस्याओं के समाधान और भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। विज्ञान भारती द्वारा ऐसे नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भारत की ज्ञान-परंपरा और विज्ञान सदियों से साथ-साथ आगे बढ़ते रहे हैं। शून्य की खोज से लेकर गणित, खगोल, मौसम और अन्य क्षेत्रों तक भारतीय मनीषियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महाकवि कालिदास के 'मेघदूत' में मानसून की गति, प्रकृति और ऋतु परिवर्तन का अत्यंत सूक्ष्म वर्णन मिलता है।

भोपाल में बप्पा की विदाई में जनसैलाब

1500 झांकियों ने खींचा ध्यान, मुस्लिम महिलाओं ने बरसाए फूल,शिवराज पहुंचे

भोपाल, (ए)। अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार शाम भोपाल में गणपति बप्पा की विदाई का सिलसिला पूरे उत्साह के साथ शुरू हुआ।

भारत टॉकीज एवं यूवी वन एवं चौराहे से शाम सात बजे मुख्य चल समारोह रवाना हुआ। करीब 1500 झांकियों के साथ निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पुराने शहर के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह लोगों की भीड़ जुटी रही। भारत टॉकीज से निकला चल समारोह इतवारा, जुमेराती और पीरगेट होते हुए विसर्जन घाटों की ओर बढ़ा। ढोल-नगाड़ों की गूंज और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच झांकियां आगे बढ़ती रहीं। कई स्थानों पर लोगों ने घरों और दुकानों से निकलकर झांकियों का स्वागत किया।

जहरीली कफ सिरप मामले में जिम्मेदारी को लेकर जीतू पटवारी ने उठाया सवाल

भोपाल, (ए .)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्डरिफ कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार से प्रशासनिक जवाबदेही और औषधि निगरानी व्यवस्था पर सवाल किए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में कार्रवाई और जांच के बावजूद यह स्पष्ट होना चाहिए कि संदिग्ध दवा बाजार तक कैसे पहुंची और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी किस स्तर पर तय हुई।जीतू पटवारी ने शनिवार को मीडिया को जारी अपने बयान में कहा कि परासिया क्षेत्र में कोल्डरिफ कफ सिरप के सेवन के बाद बच्चों के गंभीर रूप से बीमार होने और मौतों का मामला सामने आया था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस मामले में कम-से-कम 24 बच्चों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि इतनी गंभीर घटना के बाद सरकार को जांच की प्रगति और अब तक हुई कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए।

जीतू पटवारी ने कहा कि रिपोर्ट में कोल्डरिफ के नमूनों में डायएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा निर्धारित सीमा से बहुत अधिक पाए जाने का उल्लेख है। उनका कहना है कि यदि जांच में यह तथ्य सामने आया है तो निर्माता के साथ-साथ दवा की गुणवत्ता जांच और बाजार में निगरानी करने वाली व्यवस्था की भूमिका भी जांच के दायरे में आनी चाहिए।उन्होंने सवाल किया कि संबंधित क्षेत्र में दवा की बिक्री के दौरान नमूने लेने और उनकी जांच कराने की प्रक्रिया प्रभावी रूप से क्यों नहीं हो सकी। पटवारी ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस समय संबंधित अधिकारियों ने क्या कार्रवाई की थी और जांच में उनकी भूमिका को किस तरह देखा गया।

जांच के बीच अधिकारी की बहाली पर सवाल

पीसीसी चीफ पटवारी ने तत्कालीन छिंदवाड़ा औषधि निरीक्षक गौरव शर्मा की बहाली और दूसरी जगह पदस्थापना को लेकर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार अधिकारी को मामले के बाद निलंबित किया गया था और विभागीय जांच शुरू हुई थी। इसके बाद 23 सितंबर के आदेश से उन्हें बहाल कर गुना में पदस्थ किए जाने को लेकर उन्होंने सरकार से बहाली के आधार और विभागीय जांच की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा, यदि विभागीय जांच अभी पूरी नहीं हुई है तो सरकार को यह बताना चाहिए कि बहाली और नई पदस्थापना का आधार क्या है। पीड़ित परिवारों और जनता के सामने पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए।

भोपाल में पकड़ाई 3.5 करोड़ की 4.38 KG ड्रग: ट्रेन से तस्करी करते हुए नाइजीरियन महिला समेत दो गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने 4.38 किलो एम्फेटामाइन जब्त की है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए बताई गई है। इस दौरान एक नाइजीरियाई महिला समेत दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।यह

कार्रवाई 23 और 24 सितंबर को लगातार भोपाल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर की गई है। डीआरआई अधिकारियों को सूचना मिली थी कि हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) से ट्रेन से भोपाल आ रहा एक भारतीय पुरुष यात्री नशीला पदार्थ लेकर जा रहा है।भोपाल पहुंचने पर अधिकारियों ने ट्रेन में बैठे यात्रियों की तलाशी ली। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति के पास मौजूद नीले डफल बैग में 3 पॉलीथिन पैकेट मिले। इनमें 2.014 किलो सफेद क्रिस्टलीय पदार्थ था। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जांच में इसके एम्फेटामाइन होने की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने तुरंत उसे पकड़कर पैकेट जब्त कर लिए।

दूसरी कार्रवाई में डीआरआई अधिकारियों ने आगरा कैंट से ट्रेन से भोपाल आ रही एक नाइजीरियाई महिला यात्री को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर रोका। उसके सामान की विस्तृत तलाशी के दौरान चार सलवार कुर्तों के अंदर छिपाए गए चार पैकेट मिले।

नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित

अपराध घटित होने से लेकर नागरिक को न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया जाएगा

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 अक्टूबर 2026 को किया जाना प्रस्तावित है। प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर पुलिस मुख्यालय, भोपाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पांडे, डीआईजी डॉ. विनीत कपूर पीएसओ टू डीजीपी, डीआईजी (CID) प्रशांत खरे, डायरेक्टर FSL राहुल कुमार लोढ़ा, FSL के जॉइंट डायरेक्टर सहित जेल, अभियोजन, स्वास्थ्य, पर्यटन सहित विभिन्न संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदर्शनी की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की सहभागिता तथा अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आम नागरिकों को नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों तथा अपराध की घटना से लेकर न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को सरल, सहज एवं रोचक तरीके से समझाना है। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित व्यवस्थाओं, तकनीक, नवाचारों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में पुलिस की कार्यप्रणाली को चरणबद्ध तरीके से दर्शाया जाएगा। इसमें थाने में अथवा राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 में सूचना प्राप्त होने, घटनास्थल पर पुलिस एवं एफएसएल टीम के पहुंचने, साक्ष्य

संकलन एवं वैज्ञानिक विवेचना, पुलिस थाने में प्रकरण की कार्यवाही, सीसीटीएनएस, मालखाना एवं अन्य डिजिटल व्यवस्थाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद अभियोजन की भूमिका, जिला न्यायालय में प्रकरण की कार्यवाही, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी तथा उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया को भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीक के उपयोग को विशेष रूप से दर्शाया जाएगा। वीडियो, डिजिटल स्क्रीन, पोस्टर, मॉडल एवं अन्य दृश्य माध्यमों से नागरिकों को बताया जाएगा कि नवीन आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद आपराधिक न्याय प्रणाली में तकनीक और वैज्ञानिक साक्ष्यों का किस प्रकार उपयोग किया जा रहा है। साइबर अपराध, एफएसएल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा अन्य आधुनिक पुलिसिंग व्यवस्थाओं से संबंधित सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय कार्यों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं साइबर क्विज, नक्सल उन्मूलन सहित पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों (नशे से दूरी है जरूरी/सेफ क्लिक), नवाचारों और जनहितकारी पहलों की जानकारी डिजिटल माध्यम, वीडियो, पोस्टर एवं अन्य दृश्य माध्यमों से नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी।बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित स्टॉल के लिए नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपने, आवश्यक फोटोग्राफ, वीडियो, लिखित सामग्री, अन्य संसाधन उपलब्ध कराने तथा प्रदर्शनी तैयार करने वाली एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को अपने-अपने स्टॉल को प्रभावी एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया।प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान को भी दर्शाया जाएगा। प्रवेश द्वार एवं विभिन्न स्थानों की सज्जा, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों, वन एवं वन्यजीवन, पारंपरिक कला-संस्कृति तथा जनजातीय विरासत की झलक शामिल करने पर भी चर्चा की गई।

मालवा- सोमनाथ एक्सप्रेस अब भोपाल स्टेशन नहीं आएगी

निशातपुरा में होगा ठहराव, भोपाल स्टेशन को करेंगी बायपास

भोपाल (ए.)। भोपाल से चलने वाली यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। 26 सितंबर 2026 से मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव भोपाल स्टेशन की बजाय निशातपुरा स्टेशन पर होगा। दोनों दिशाओं में चलने वाली इन ट्रेनों को संत हिरदाराम नगर-निशातपुरा कॉर्ड लाइन से संचालित किया जाएगा। इसके चलते ट्रेनें भोपाल स्टेशन को बायपास करेंगी।

पश्चिम मध्य रेलवे के अनुसार, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12919/12920 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 11465/11466 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।

मालवा एक्सप्रेस का समय

12919 मालवा एक्सप्रेस: निशातपुरा पर शाम 5:20 बजे पहुंचेगी और 5:30 बजे रवाना होगी।

12920 मालवा एक्सप्रेस: निशातपुरा पर सुबह 7:25 बजे पहुंचेगी और 7:35 बजे रवाना होगी।

मालवा एक्सप्रेस का संचालन प्रतिदिन होगा।

सोमनाथ एक्सप्रेस का समय

11465 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस: निशातपुरा पर सुबह 6:40 बजे पहुंचेगी और 6:45 बजे रवाना होगी।

11466 वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस: निशातपुरा पर रात 8:10 बजे पहुंचेगी और 8:15 बजे रवाना होगी।

सोमनाथ एक्सप्रेस का संचालन सप्ताह में दो दिन रहेगा।

यात्रियों को स्टेशन बदलने का रखना होगा ध्यान

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का नया टाइम टेबल और नवीनतम जानकारी अधिकृत रेलवे माध्यमों से जरूर जांच लें। 26 सितंबर से इन दोनों ट्रेनों के लिए भोपाल स्टेशन की बजाय निशातपुरा (NSZ) स्टेशन को ध्यान में रखकर यात्रा की योजना बनानी होगी।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से मरीज व्रजेश पावागढ़ी को उन्नत उपचार के लिए भोपाल से अहमदाबाद किया गया एयरलिफ्ट

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश सरकार की जनसंवेदनशील प्राथमिकताओं एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवा पहल के अंतर्गत पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से 29 वर्षीय मरीज व्रजेश महेश पावागढ़ी (Mr. Pavagadhi Vrajesh Mahesh) को भोपाल से अहमदाबाद के लिए सफलतापूर्वक एयरलिफ्ट किया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे। मंत्री श्री पटेल ने एयरलिफ्टिंग प्रक्रिया का जायजा लेते हुए चिकित्सकों एवं प्राधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए तथा मरीज के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की। मरीज व्रजेश पावागढ़ी का इलाज भोपाल स्थित अपोलो सेज अस्पताल (Apollo Sage Hospitals) में चल रहा था। स्थिति की गंभीरता और त्वरित उच्च स्तरीय चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें अपोलो अस्पताल, अहमदाबाद के लिए रेफर किया गया है। राज्य सरकार द्वारा संचालित पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा आपातकालीन एवं क्रिटिकल केयर स्थितियों में मरीजों को अंतरराज्यीय व अंतरजिला स्तर पर त्वरित और सुगम चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

चरित्र शंका में विवाद...चौथी मंजिल से गिरा युवक.. गणेश विसर्जन के शोर में दबी चीख, 8 साल के बेटे ने देखी घटना

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी में शुक्रवार रात एक युवक की चौथी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय प्रमोद ओसवाल पिता प्रकाश ओसवाल के रूप में हुई है। वह पुताई ठेकेदारी का काम करता था। परिजन का आरोप है कि चरित्र शंका को लेकर पत्नी से हुए विवाद के बाद उसे बालकनी से धक्का दे दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।प्रमोद के भाई प्रदीप ने बताया कि करीब 9 साल पहले प्रमोद ने अपने ही मोहल्ले की रहने वाली दुर्गा से लव मैरिज की थी। शादी के बाद से दोनों के बीच चरित्र शंका को लेकर अक्सर विवाद होता था। शुक्रवार रात प्रमोद काम से लौटकर घर पहुंचा तो उसने पत्नी को एक अन्य युवक के साथ देखा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

परिजन का आरोप है कि विवाद के दौरान फ्लैट में मौजूद युवक और पत्नी ने मिलकर प्रमोद को चौथी मंजिल की बालकनी से नीचे धक्का दे दिया। नीचे गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय प्रमोद का 8 साल का बेटा घर में मौजूद था और उसने पूरी घटना देखी। घटना के बाद पत्नी और उसके साथ मौजूद युवक मौके से फरार हो गए।प्रमोद के चाचा सपनेश नहरे ने बताया कि घटना के वक्त इलाके में गणेश प्रतिमा विसर्जन के चलते तेज आवाज में डीजे और ढोल बज रहे थे। इस शोर के कारण घर के अंदर हुए विवाद और चीख-पुकार की आवाज आसपास के लोगों तक नहीं पहुंच सकी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बयानों के आधार पर होगी कार्रवाई

हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे के मुताबिक, फिलहाल मर्ग कायम किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस अब बच्चे और परिजनों के विस्तृत बयान दर्ज करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पति के साथ पुणे जाने की जिद पर विवाद, जिला अस्पताल की निर्माणाधीन इमारत से महिला ने लगाई छलांग

कटनी (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के कटनी जिला अस्पताल परिसर की निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल से शनिवार को एक महिला ने छलांग लगा दी। पुलिस, अस्पताल स्टाफ और परिजनों ने करीब

30 मिनट तक महिला को समझाने का प्रयास किया। घटना में महिला को गंभीर चोटें आई हैं। उसे तत्काल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उपचार जारी है।घायल महिला की पहचान माधवनगर की इंद्रा ज्योति कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दुर्गा वंशकार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दुर्गा अपने पति संतोष वंशकार के साथ पुणे जाने की जिद कर रही थी। घर में बच्चों की तबीयत खराब होने के कारण संतोष ने फिलहाल उसे अपने साथ ले जाने से मना किया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद महिला घर से निकलकर जिला अस्पताल परिसर पहुंची। महिला के निर्माणाधीन भवन की चौथी मंजिल पर पहुंचने की जानकारी मिलने पर पुलिस, अस्पताल स्टाफ और परिजन मौके पर पहुंचे।

छतरपुर में भीषण हादसा, ट्रक और बोलेरो की टक्कर, पांच लोगों की मौत, मची चीख-पुकार

छतरपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बोलेरो और ट्रक की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोगों के घायल होने की खबर है। यह हादसा छतरपुर में चौका गांव के पास हुआ। हादसे के बाद

सड़क पर चीख पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकालने में मदद की।

बोलेरो के पखच्चे उड़े

छतरपुर जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के चौका गांव के पास यह हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो के पखच्चे उड़ गए। घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त वाहन से लोगों को निकालना शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजे जाने की जानकारी है।

मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल

बताया जाता है कि बोलेरो में सवार परिवार के लोग बिजावर के रहनेवाले थे और वे बिजावर से बगौता अंतिम संस्कार में जा रहे थे। हादसे में मृतकों और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस की ओर से अभी मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

बंद मकान के बाथरूम से मिला महिला का शव, बदबू फैली तो पड़ोसियों ने दी पुलिस को सूचना

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के सूर्यदेव नगर में शुक्रवार शाम एक बंद मकान से 38 वर्षीय महिला का कई दिन पुराना डीकंपोज्ड शव बरामद हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घर का ताला तोड़ा और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला की पहचान अनुराधा एकतारे के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार शुक्रवार शाम अनुराधा के घर से अचानक तेज बदबू आने लगी। बदबू इतनी ज्यादा थी कि आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया। शक होने पर पड़ोसियों ने तुरंत इसकी जानकारी अनुराधा के रिश्तेदारों को दी। रिश्तेदारों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

"कहानी बदलाव की" शासन की योजना बनी समृद्धि का आधार, कस्टम हायरिंग केन्द्र से श्रीमती शशि रघुवंशी ने संवारी अपनी और किसानों की राह

छिन्दवाडा(ए.)। खेतों की मेड़ से सपनों की राह,मेहनत से मिलती है मंज़िल की चाह मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का असर अब गांव-गांव दिखाई दे रहा है। शासन की कस्टम हायरिंग योजना ने किसानों के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता आसान बनाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित रोजगार और आय के नए अवसर भी तैयार किए हैं। छिंदवाड़ा जिले के ग्राम रामगढ़ी की श्रीमती शशि रघुवंशी की सफलता इसी बदलाव की प्रेरणादायक कहानी है, जहां शासन की योजना, परिवार के सहयोग और कृषि के प्रति समर्पण ने मिलकर आत्मनिर्भरता की नई राह तैयार की। वर्ष 2022-23 में श्रीमती शशि रघुवंशी ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग की निजी कस्टम हायरिंग योजना का लाभ प्राप्त किया। लगभग 24 लाख 94 हजार 500 रुपये की परियोजना लागत पर उन्हें 9 लाख 11 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। योजना के माध्यम से उन्होंने दो ट्रैक्टर, स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, प्लाऊ एवं कल्टीवेटर जैसे आधुनिक कृषि यंत्र खरीदे और ग्राम रामगढ़ी में कस्टम हायरिंग केन्द्र की शुरुआत की। संयुक्त परिवार के

सदस्यों के सहयोग से केन्द्र का संचालन व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ा। परिवार की सामूहिक मेहनत और जिम्मेदारियों के बेहतर प्रबंधन से कृषि यंत्रों का उपयोग अपने खेतों के साथ-साथ आसपास के किसानों को किराए पर उपलब्ध कराने में किया जाने लगा। इससे क्षेत्र के किसानों को खेती के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आधुनिक मशीनें समय पर और उचित दरों पर उपलब्ध होने लगीं। सपनों को जब परिवार का साथ मिलता है,तो मेहनत की राह पर सफलता के नए आयाम बनते हैं। कस्टम हायरिंग केन्द्र से प्राप्त आय को श्रीमती शशि रघुवंशी ने केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रखा, बल्कि कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इसका उपयोग किया। इसी क्रम में दो सुपर सीडर भी खरीदे गए। इससे क्षेत्र में नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा मिला और फसल अवशेष जलाने की घटनाओं में कमी लाने में मदद मिली।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित

कटनी (ए.)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झिंझरी में जिला स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर तथा जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पांडे उपस्थित रहे। देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समांकार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के गायन तथा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ।

भस्म आरती में रजत ओम-बिल्वपत्र मुकुट से सजे महाकाल, निराकार से साकार रूप में दिए दर्शन

उज्जैन (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के चार बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खुले। गर्भगृह में भगवान महाकाल सहित अन्य देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल के बाद हरिओम का जल अर्पित कर मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न हुआ।भस्म आरती से पहले

भगवान महाकाल का विशेष शृंगार किया गया। उन्हें रजत ओम-बिल्वपत्र मुकुट, शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं धारण कराई गईं। मस्तक पर त्रिपुंड के साथ त्रिशूल और डमरू से अलंकरण किया गया। पूजन के दौरान भांग, चंदन और आभूषणों से भी भगवान का शृंगार किया गया।कपूर आरती और नैवेद्य अर्पण के बाद भस्म आरती की प्रक्रिया शुरू हुई।

महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मंदिर की परंपरा के अनुसार भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल के निराकार स्वरूप को साकार रूप में सजाकर भक्तों को दर्शन कराए जाते हैं।इस दौरान भगवान गणेश, माता पार्वती और भगवान कार्तिकेय का भी पूजन किया गया। भगवान महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में शामिल श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामना कही। भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा।

व्यापार समाचार

देशव्यापी बैंक हड़ताल के बीच एसबीआई का बड़ा फैसला, 28 से 30 सितंबर तक सभी एटीएम ट्रांजैक्शन होंगे मुफ्त

मुंबई (ए.)। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित देशव्यापी बैंक हड़ताल के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि हड़ताल की अवधि के दौरान सभी एटीएम ट्रांजेक्शन पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बैंक का कहना है कि यह फैसला ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने और हड़ताल के संभावित प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक पोस्ट में एसबीआई ने कहा कि प्रस्तावित हड़ताल के दौरान भी ग्राहकों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए उसकी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसी के तहत 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 के बीच ग्राहकों से किसी भी बैंक के एटीएम पर किए गए लेनदेन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

बैंक ने यह भी बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को

भी खुली रहेंगी। इसके अलावा यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस और एनईएफटी जैसी ऑनलाइन भुगतान सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी, जिससे डिजिटल माध्यम से लेनदेन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

सरकार ने भी आम लोगों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार को खुला रखने का निर्देश दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 27 सितंबर को सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को पूर्ण रूप से संचालित रखने की अनुमति दे दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल ऐसे समय रखी गई है, जब उससे पहले 26 और 27 सितंबर को सप्ताहांत की छुट्टियां भी हैं। ऐसे में यदि विशेष व्यवस्था नहीं की जाती, तो बैंकिंग गतिविधियां लगातार पांच दिनों तक प्रभावित हो सकती थीं।सरकार का कहना है कि आम नागरिकों की सुविधा और बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कारण सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील भी की है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं कि आवश्यक बैंकिंग सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रह सकें।

बिल गेट्स की चेतावनी, AI के गलत इस्तेमाल से 100 करोड़ मौतें संभव, जल्द उठाया जाए बड़ा कदम

नई दिल्ली(ए.)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच इसके दुरुपयोग को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। गेट्स के मुताबिक, यदि अत्यधिक शक्तिशाली एआई गलत हाथों में पहुंच गया तो इसके परिणाम बेहद विनाशकारी हो सकते हैं। उन्होंने कहा AI इतना ताकतवर हो सकता है कि इससे 100 करोड़ लोगों की मौत तक हो सकती है।गेट्स की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब एआई एजेंट के एक सरकारी वेबसाइट में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने का मामला ऑस्ट्रेलिया में सामने आया है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के अनुसार, जून में OpenAI से जुड़े एक एआई एजेंट ने Services Australia के मेडिकेयर स्टैटिस्टिक्स रिपोर्टिंग पोर्टल में अनधिकृत पहुंच बनाई।

वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में 7.86 लाख करोड़ रुपए उधार लेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में 7.86 लाख करोड़ रुपए उधार लेगी। इस उधारी कार्यक्रम में 15,000 करोड़ रुपए के सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड भी शामिल होंगे। वित्त मंत्रालय के अनुसार यह राशि 23 साप्ताहिक नीलामियों के माध्यम से जुटाई जाएगी।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, दूसरी छमाही की उधारी के साथ पूरे वित्त वर्ष में दिनांकित प्रतिभूतियों के जरिए सरकार की कुल उधारी लगभग 15.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।

केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष के लिए 17.2 लाख करोड़ रुपए उधार लेने का प्रस्ताव रखा था। इस उधारी का उद्देश्य राजकोषीय घाटे को वित्तपोषित करना है, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी के 4.3 प्रतिशत पर अनुमानित किया गया है।

इस बीच सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों यानी अप्रैल से जुलाई के दौरान राजकोषीय घाटा 4.55 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वर्ष के लक्ष्य का 26.8 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है। पिछले वित्त वर्ष के इसी दौरान राजकोषीय घाटा 4.7 लाख करोड़ रुपए था, जो वार्षिक अनुमान का 29.9 प्रतिशत था।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान कुल प्राप्तियां 13.07 लाख करोड़ रुपए रहीं, जबकि कुल व्यय 17.62 लाख करोड़ रुपए रहा। यह क्रमशः चालू वित्त वर्ष के बजटीय अनुमान का 35.8 प्रतिशत और 32.9 प्रतिशत है। इसी अवधि में राजस्व प्राप्तियां 12.68 लाख करोड़ रुपए दर्ज की गईं। इनमें 8.45 लाख करोड़ रुपए कर राजस्व और 4.23 लाख करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व शामिल था। गैर-कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से प्राप्त रिकॉर्ड डिविडेंड के कारण हुई। आरबीआई ने केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का अधिशेष हस्तांतरित किया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 2.69 लाख करोड़ रुपए थी। इससे सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने में मदद मिली है।सरकार वित्तीय समेकन की अपनी रणनीति पर आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में उसने 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल किया था और चालू वित्त वर्ष के लिए इसे घटाकर 4.3 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अगस्त में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में करीब 25 प्रतिशत की हुई वृद्धि

नई दिल्ली (ए.)। भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात ने चालू वित्त वर्ष में लगातार पांचवें महीने मजबूत वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि अगस्त में देश का इंजीनियरिंग निर्यात सालाना आधार पर 24.86 प्रतिशत बढ़कर 12.32 अरब डॉलर पहुंच गया।

उद्योग संगठन ईईपीसी इंडिया ने कहा कि भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात शीर्ष 25 प्रमुख बाजारों में से अधिकांश में बढ़ा है। केवल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब में निर्यात प्रभावित रहा, जिसका प्रमुख कारण पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई लॉजिस्टिक्स चुनौतियां थीं। इसके बावजूद अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया जैसे प्रमुख बाजारों में मांग मजबूत बनी रही।

अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात अगस्त में 31 प्रतिशत बढ़कर 2.20 अरब डॉलर पहुंच गया। वहीं चीन को होने वाला निर्यात पिछले वर्ष अगस्त के 242.50 मिलियन डॉलर से बढ़कर 424.65 मिलियन डॉलर हो गया, जो लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ब्रिटेन को इंजीनियरिंग निर्यात में 28.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़कर 466 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। वहीं इंडोनेशिया को निर्यात में 182 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज करते हुए यह 292.30 मिलियन डॉलर रहा।

ओमान को होने वाला इंजीनियरिंग निर्यात लगभग चार गुना बढ़कर 198 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। उद्योग संगठन के अनुसार, जून 2026 में लागू हुए भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेलवे में नौकरी का सुनहरा मौका: स्टेशन मास्टर सहित 1,465 पदों पर आवेदन शुरू, 15 अक्टूबर तक भरें फॉर्म

पटना(ए.)। रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) ने पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) में जनरल डिपार्टमेंटल कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन (जीडीसीई), 2026 के तहत स्टेशन मास्टर सहित विभिन्न 1,465 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।आरआरसी की ओर से जारी कुल 1,465 रिक्तियों में असिस्टेंट लोको पायलट (एएलपी), इलेक्ट्रिकल के 910; टेक्नीशियन III - ब्लैकस्मिथ, इंजीनियरिंग के 2; टेक्नीशियन III - फिटर, इंजीनियरिंग का 1; टेक्नीशियन III - मेसन, इंजीनियरिंग का 1; टेक्नीशियन III - वेल्डर, इंजीनियरिंग के 2; टेक्नीशियन III - इलेक्ट्रिकल जनरल, इलेक्ट्रिकल के 2; टेक्नीशियन III - टीआरएस, इलेक्ट्रिकल का 1; टेक्नीशियन III - मैकेनिकल पावर, मैकेनिकल के 6; टेक्नीशियन III - सी एवं डब्ल्यू, वेल्डर (मैकेनिकल) के 19; टेक्नीशियन III- सिग्नल, एस एवं टी के 8; टेक्नीशियन III - टेली, एस एवं टी के 3; जूनियर इंजीनियर - सी एवं डब्ल्यू, मैकेनिकल के 15; जूनियर इंजीनियर - डीजल मैकेनिकल, मैकेनिकल के 6; जूनियर इंजीनियर - इलेक्ट्रिकल जनरल, इलेक्ट्रिकल के 3; जूनियर इंजीनियर - इलेक्ट्रिकल टीआरडी, इलेक्ट्रिकल का 1; जूनियर इंजीनियर - पी वे, इंजीनियरिंग के 7; जूनियर इंजीनियर - वर्क्स, इंजीनियरिंग के 5; डिपो मटीरियल सुपरिटेंडेंट, स्टोर्स के 19; चीफ कमर्शियल कम टिकट सुपरवाइजर (सीसीटीएस), कमर्शियल के 5; स्टेशन मास्टर, ऑपरेटिंग के 9; गुड्स ट्रेन मैनेजर, ऑपरेटिंग के 389; सीनियर क्लर्क, जनरल के 6; सेक्शन कंट्रोलर, ऑपरेटिंग के 3; और कमर्शियल कम टिकट क्लर्क (सीसीटीसी), कॉमर्शियल के 42 पद शामिल हैं। इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर से जारी है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक तय की गई है। एप्लीकेशन फॉर्म भरने के इच्छुक उम्मीदवार आरआरसी या ईसीआर की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान/विश्वविद्यालय से पद के अनुसार मैट्रिकुलेशन या एसएसएलसी के साथ आईटीआई, तीन वर्ष का डिप्लोमा या संबंधित डिग्री (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल या किसी अन्य निर्दिष्ट इंजीनियरिंग क्षेत्र में), किसी भी विषय में इंजीनियरिंग में तीन वर्ष का डिप्लोमा, डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता, कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण आदि योग्यता होनी चाहिए।

आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 42 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 जनवरी 2027 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।योग्य अभ्यर्थियों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी), कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट, कंप्यूटर आधारित टाइपिंग कौशल परीक्षण (सीबीटीएसटी), दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल जांच के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पद के अनुसार 7वें वेतन आयोग के पे मैट्रिक्स लेवल- 2 से 6 के बीच प्रतिमाह होगी।

बांग्लादेश में महंगाई संकट की वजह सिर्फ आपूर्ति की कमी नहीं, अर्थव्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। बांग्लादेश में लगातार बढ़ी हुई महंगाई केवल वैश्विक बाजार की अस्थिरता या अस्थायी आपूर्ति संकट का नतीजा नहीं है, बल्कि इसके पीछे अर्थव्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरियां और नीतिगत खामियां जिम्मेदार हैं। यह बात बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में महंगाई को कमजोर प्रतिस्पर्धा, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, परिवहन और भंडारण व्यवस्था की कमियां, बाजार में अत्यधिक एकाधिकार और व्यापक आर्थिक नीतियों में देरी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ावा दे रही हैं।एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सितंबर पूर्वानुमान का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में औसत वार्षिक महंगाई 8.7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जबकि 2026-27 में यह 9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, मुद्रा विनिमय दर में गिरावट और आयातित ईंधन की बढ़ी लागत भी महंगाई के प्रमुख कारण बताए गए हैं। रिपोर्ट में बाजार की एक असमान प्रवृत्ति का भी जिक्र किया गया है, जिसमें लागत बढ़ने पर वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ जाते हैं, लेकिन लागत घटने के बावजूद कीमतें उसी गति से कम नहीं होतीं। इसके लिए कमजोर बाजार निगरानी और अप्रभावी प्रतिस्पर्धा नीति को जिम्मेदार ठहराया गया है।

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रासुका दमनकारी कदम

हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि फिलहाल इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दो-टूक फैसला दिया है कि सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना दमनकारी कदम था। नोएडा प्रशासन को मालूम था कि चौधरी की गिरफ्तारी कानूनन कमजोर बुनियाद पर टिकी है, इसलिए उन्हें आसानी से जमानत मिल जाएगी। ऐसा ना हो, इसलिए बिना किसी साक्ष्य के रासुका लगा दिया गया। अब जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने ना सिर्फ रासुका को रद्द किया है, बल्कि अनुचित ढंग से इसे लगाने के लिए नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय की है। हाई कोर्ट ने चौधरी के संवैधानिक अधिकारों के हनन के एवज में पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह रकम रूपम की तनख्वाह से काटी जाएगी। इस तरह कोर्ट ने ऐसा फैसला दिया है, जिससे गढ़ी हुई कहानी के आधार पर नागरिकों की निजी स्वतंत्रता के हनन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लग सकती है। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व रिसर्चर आकृति को नोएडा में मजदूर आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आम लोगों से मजदूरों के पक्ष में खड़ा होने का आह्वान किया था। पुलिस ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना। हाई कोर्ट ने कहा है कि शांतिपूर्व प्रतिरोध नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, जिससे उन्हें निराधार आशंका के कारण वंचित नहीं किया जा सकता। अतः अदालत ने निर्देश दिया है कि इस मामले में दोषी अधिकारियों की सर्विस बुक में कोर्ट की नाराजगी दर्ज की जाए। इसके अलावा न्यायाधीशों ने नौकरशाहों और पुलिस अफसरों को यह याद दिलाकर उचित चेतावनी दी है कि उनकी वफादारी भारत के संविधान के प्रति है, ना कि सत्ताधारियों की सियासत प्रति। जिस दौर में सत्ता पक्ष के सियासी हितों और प्रशासनिक अधिकारियों के व्यवहार के बीच का फासला मिटता-सा चला गया है, न्यायपालिका की ऐसी टिप्पणी को एक सामयिक एवं प्रासंगिक हस्तक्षेप माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया (दमनकारी, भययुक्त राज्य) की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि मौजूदा दौर में इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती।

पूरी निर्वाचन व्यवस्था को वोट चोरी कहना देश के साथ अपराध

हृदयनारायण दीक्षित

लोकतंत्र संवाद से चलता है। सहमति और असहमति परस्पर संवाद करते हैं। सभी राजनैतिक दल वर्ग आधारित समूह बहस करते हैं। बहस में कुछ दीर्घकालिक तथ्य और सत्य होते हैं और कुछ अल्पकालिक। रोजमर्रा के जीवन में लगातार बहस चला करती है। संसदीय जनतंत्र में इसीलिए सरकार और प्रतिपक्ष मिलकर परस्पर संवाद करते हैं। विपक्ष के नेता को सम्मान की परंपरा भी इसी विचार का विस्तार है। देश ने अटल बिहारी जैसे वरिष्ठ नेताओं को नेता प्रतिपक्ष के रूप में देखा है। अटल जी को भारत के प्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस ने ही संयुक्त राष्ट्र भेजा था। अटल जी ने भारत और भारत सरकार की प्रशंसा की थी। सारी दुनिया हतप्रभ थी कि आखिरकार सत्ता और विपक्ष में ऐसा अंतर्संगीत क्यों है? एक नेता प्रतिपक्ष अटल जी थे एक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी सभी अवसरों पर निराश करते हैं। वे जनता को विद्रोह के लिए उत्तेजित करते हैं। जंतर-मंतर वाली घटना में राहुल गांधी का व्यवहार गैरजिम्मेदाराना था।

ताजा मसला देश के मुख्य चुनाव आयुक्त का है। राहुल गांधी ने उनसे तत्काल त्यागपत्र की मांग की है। वैसे त्यागपत्र का मांगा जाना कोई अपराध नहीं है लेकिन पूरी निर्वाचन व्यवस्था को वोट चोरी कहना देश के साथ अपराध है। भारत के निर्वाचन आयोग की प्रशंसा सारी दुनिया में रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान से पूरी निर्वाचन व्यवस्था को भ्रष्ट बताया है और पीछे के तमाम निर्वाचनों को रद्द करने की हास्यास्पद मांग की हैराहुल गांधी की कठिनाई यह है कि वे अध्ययन नहीं करते। चुनाव रद्द करने का अधिकार संविधान ने किसी को नहीं दिया। न देश में इसके लिए कोई कानून है न ऐसी कोई व्यवस्था। संविधान प्रेमी आहत हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग लाने की तैयारी की घोषणा की है। वे मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध हमलावर हैं और दो चुनाव आयुक्तों के प्रशंसक हैं। उन्होंने दोनों चुनाव आयुक्तों की सार्वजानिक प्रशंसा की है और उनसे अपील की है कि वे प्रस्तावित कथित मुकदमे में सरकारी गवाह बन जाएं। जनादेश प्राप्त सरकार के विरुद्ध आंदोलन करना बेशक विपक्ष का अधिकार है लेकिन देश के करोड़ों लोगों में संविधान और उसकी संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करना भारतीय राष्ट्र राज्य के विरुद्ध अपराध है। राहुल के इस आचरण की चारों ओर निंदा हो रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि इन मुख्य चुनाव आयुक्त के द्वारा कराए गए मतदान से उनका भरोसा खत्म हो गया है। उन्होंने पूरा जोर देकर कहा है कि साल 2024 के लोकसभा व अन्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव आयोग में हुए निर्णय सर्वसम्मत नहीं हैं। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में विभिन्न निर्णयों पर सहमति और असहमति स्वाभाविक है। आंतरिक बहस के बावजूद सभी निर्णय सर्वसम्मत हुए हैं। देश जानना चाहता है कि आखिरकार पूरी संवैधानिक व्यवस्था को बेइज्जत करना कहां का न्याय है।मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध कोई आरोप नहीं। चुनाव आयुक्तों में कोई मतभिन्नता नहीं है, फिर इस्तीफा मांगने का तुक क्या है? सरकार का विरोध और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस मोदी सरकार की नीतियों का विरोध करने के लिए स्वतंत्र है लेकिन संवैधानिक संस्थाओं का चीरहरण खतरनाक है।राष्ट्र राज्य भरोसे से चलते हैं। हम भारत के लोग संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं। संविधान ने अनेक संस्थाएं दी हैं। न्यायपालिका, विधायिका सर्वविदित हैं। उनके प्रति आदर भाव रखना हम सबका कर्तव्य है। ये तो कोई बात न हुई। कहीं से उड़ती खबर या अपुष्ट सूचना के आधार पर इस्तीफा -इस्तीफा चिल्लाना कहां का न्याय है। संविधान के अनुच्छेद 324 में चुनाव आयोग को सभी चुनाव संपन्न कराने का अधिकार दिया गया है। संविधान सभा में चुनाव आयोग पर लम्बी बहस हुई थी। सरकारी मशीनरी से निष्पक्षता की रक्षा का विषय भी आया था। कांग्रेस की निंदा का प्रश्न नहीं है लेकिन संवैधानिक संस्था की साख को सरेआम बेइज्जत करने का कृत्य अपराध है। नेता प्रतिपक्ष के पास कोई अभिलेखीय तथ्य नहीं है। चुनाव आयुक्तों ने भी किसी त्रुटि का उल्लेख नहीं किया।राहुल गांधी के उकसावे में जंतर-मंतर की घटना के समय अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांगा है। कथित राजनैतिक पार्टी की तरफ से मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांगा गया है। कहा गया है कि वह 48 घंटे के भीतर त्यागपत्र नहीं देते तो जंतर मंतर-2 राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा।

लालच और विस्तार को कोई अंत नहीं युद्ध समाधान नहीं।

संजीव ठाकुर,

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती हैयुद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है।

धरती का बदलता चेहरा और आदमी की घटती जगह

प्रो. आरके जैन अरिजीत

बाढ़ आती है तो सिर्फ घर नहीं, पूरी जिंदगी बह जाती है। सूखा पड़ता है तो खेतों के साथ उम्मीदें दरकती हैं। गर्मी देह झुलसा दे तो मजदूर के सामने सवाल होता है—रोटी कमाए या जान बचाए? भारत में मौसम अब विस्थापन का कारण बन चुका है। वह घर और रोजगार छीनकर लाखों लोगों को ठिकाना बदलने पर मजबूर कर रहा है। 2024 में आपदाओं ने करीब 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज किए—2012 के बाद सबसे ऊँचा आँकड़ा; करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2025 में यह संख्या 6.72 लाख हुई, पर संकट नहीं थमा; भारत तब भी दुनिया के सर्वाधिक आपदा-विस्थापन वाले देशों में रहा। विडंबना है कि प्रकृति ने जिन्हें बेदखल किया, नीति ने उन्हें अब तक स्पष्ट पहचान नहीं दी।यही हमारी नीति का बड़ा विरोधाभास है। जलवायु परिवर्तन पर मिशन हैं, आपदा प्रबंधन की संस्थाएँ और राहत-पुनर्वास के प्रावधान हैं—लेकिन 'जलवायु प्रवासी' की स्पष्ट नीति-श्रेणी नहीं। घर छोड़ने वाला आपदा-पीड़ित, शहर जाने वाला आर्थिक प्रवासी और खेत छोड़ने वाला ग्रामीण प्रवासी कहलाता है; पर दर्ज नहीं कि उसे घर से किसने निकाला—बदलता मौसम। सुंदरबन के द्वीप समुद्र और कटाव से सिकुड़ रहे हैं। घोरामाड़ा इसका उदाहरण है, जहाँ जमीन का गायब होना जीवन के आधार खिसकने का संकट है। सवाल शब्द का नहीं, जिम्मेदारी का है। नाम नहीं होगा तो योजना में जगह नहीं, योजना नहीं होगी तो बजट नहीं—और विस्थापित राहत की कतार में रहेगा भारत का प्रवास संकट विराट है। विभिन्न अध्ययनों में आंतरिक प्रवासियों की संख्या करीब 40 करोड़ आँकी गई है। इनमें बड़ी संख्या उस अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की है, जो शहरों की इमारतें और सड़कें बनाती, सामान ढोती, घर चलाती और खेतों में फसल उगाती है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत श्रमबल अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है। मजदूरी पहले ही अस्थिर है; अब मौसम भी। गर्मी बढ़ती है तो काम के घंटे घटते हैं, बीमारी बढ़ती है और आय गिरती है। रोज कमाने वाले मजदूर के लिए दो-चार दिन का काम छूटना महज नुकसान नहीं, चूल्हे पर सीधी चोट है। उसके लिए मौसम की मार आखिरकार रोटी की मार बन जाती है।

प्रौद्योगिकी भारत के लिए आर्थिक परिसंपत्ति और प्रतिस्पर्धी शासन लाभ बनी

राजीव गौबा

शासन की विफलता का कारण प्राय: नीयत की विफलता नहीं होती है। कोई सब्सिडी उदार हो सकती है, फिर भी उसके क्रियान्वयन में रिसाव की गुंजाइश रह सकती है। कोई विनियमन जनहित की भावना से बनाया गया हो सकता है, लेकिन प्रक्रियागत त्रुटि की आशंका किसी ईमानदार उद्यमी को निर्णय लेने से हतोत्साहित कर सकती है। इसी प्रकार, शिकायत निवारण के लिए पोर्टल उपलब्ध होने के बावजूद किसी नागरिक को यह महसूस हो सकता है कि उसकी शिकायत पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए, महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं है कि किसी नीति के पीछे मंशा कितनी अच्छी थी, बल्कि यह भी है कि उसके परिणामस्वरूप व्यवस्था ने व्यवहार में किस प्रकार के परिणाम उत्पन्न किए। वास्तविक कसौटी यह है कि क्या व्यवस्था वांछित व्यवहार को अधिक सरल, पूर्वानुमेय और व्यापक स्तर पर अपनाए जाने योग्य बनाती है।

भारत जैसे विशाल देश में शासन केवल सरकारी कार्यक्रमों के प्रशासन तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना है, जो करोड़ों लोगों तक सेवाओं और योजनाओं को तेज़ी, दक्षता और पूर्वानुमेयता के साथ पहुंचाने में सक्षम हों। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गुजरात से लेकर केंद्र सरकार तक लगभग 25 वर्षों की शासन-यात्रा का मूल आधार रहा है। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव अलग-अलग योजनाओं के प्रबंधन से आगे बढ़कर उन व्यवस्थाओं के पुनर्गठन की दिशा में रहा है, जिनके माध्यम से सरकार नागरिकों, व्यवसायों और अधिकारियों के साथ संवाद और सहभागिता करती है। इसका मूल सिद्धांत सरल है—वांछित परिणाम को प्राप्त करना सरल बनाया जाए, उसे मापना आसान हो और व्यापक स्तर पर लागू करना भी सुगम हो।

इस परिवर्तन की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी की केंद्रीय भूमिका रही है। डिजिटल पहचान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, मानकीकृत प्रक्रियाएं, डैशबोर्ड, रैंकिंग, डिजिटल खरीद प्रणाली, शिकायत निवारण मंच और सार्वजनिक निष्पादन आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है। इसके माध्यम से सरकार अभूतपूर्व स्तर और गति के साथ सेवाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन करने में सक्षम हुई है।

इसका आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है।

जेएएम ढांचे—जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी—ने सरकार और नागरिक के बीच प्रत्यक्ष डिजिटल संपर्क स्थापित किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई गई है। वहीं, डुप्लीकेट, मृत और फर्जी लाभार्थियों को हटाकर सरकारी कोष में अनुमानित 5.14 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है।

2025 में किए गए एक आकलन में पाया गया कि लाभार्थियों की संख्या में 16 गुना विस्तार के बावजूद, कल्याण दक्षता सूचकांक—अर्थात सरकार द्वारा खर्च की गई राशि में से वास्तव में नागरिकों तक पहुंचने वाली राशि का अनुपात—2014 में 0.32 से बढ़कर 2023 में 0.91 हो गया।

पीएम-किसान के तहत 9.49 करोड़ किसानों के बैंक खातों में सीधे 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई है। वहीं, 2.1 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने से अनुमानित 22,106 करोड़ रुपये की बचत हुई। खाद्य वितरण प्रणाली में 5.03 करोड़ से अधिक डुप्लीकेट, फर्जी या अस्तित्वहीन राशन कार्ड हटाए गए, जबकि 80 करोड़ लोगों को प्रत्येक माह निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। यह मुद्रास्फीति के अनुरूप समायोजित सार्वभौमिक मूल आय के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का एक विशिष्ट सहायता है।

इसका उद्देश्य केवल योजनाओं में होने वाले रिसाव को रोकना नहीं है, बल्कि कल्याणकारी योजनाओं के लाभों की लक्षित, दक्ष और व्यापक स्तर पर प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'जन भागीदारी' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, नागरिक भी शासन-व्यवस्था में लगातार अधिक सक्रिय भागीदार बने हैं। 'गिव इट अप' अभियान के माध्यम से परिवारों को स्वेच्छा से एलपीजी सब्सिडी छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अभियान के तहत 1.13 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ने की पहल की, जबकि 4.15 करोड़ डुप्लीकेट, फर्जी, अस्तित्वहीन या निष्क्रिय एलपीजी कनेक्शनों को समाप्त किया गया।

यह दर्शाता है कि नीतियां केवल विनियमन के माध्यम से ही प्रभावी नहीं होतीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता के माध्यम से भी प्रभावी ढंग से लागू की जा सकती हैं। यही सिद्धांत आर्थिक विनियमन के क्षेत्र में भी लागू होता है।किसी उद्यमी के लिए विनियमन की लागत केवल धन तक सीमित नहीं होती। इसमें समय, ध्यान, अनिश्चितता और कई बार आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। अत्यधिक अपराधीकरण के कारण उत्पादक अनुपालन के बजाय रक्षात्मक व्यवहार को बढ़ावा मिल सकता है।जन विश्वास सुधार इसी समस्या का प्रत्यक्ष समाधान प्रस्तुत करते हैं। जन विश्वास अधिनियम, 2023 के तहत 42 केंद्रीय अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वर्ष 2026 के कानून के तहत इस दिशा में और व्यापक कदम उठाया गया। इसमें 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया। इनमें 717 प्रावधानों और 1,000 से अधिक अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया, जबकि 67 प्रावधानों में संशोधन कर जीवन सुगमता को बढ़ावा दिया गया। यह अधिनियम अप्रैल 2026 में प्रभावी हुआ।

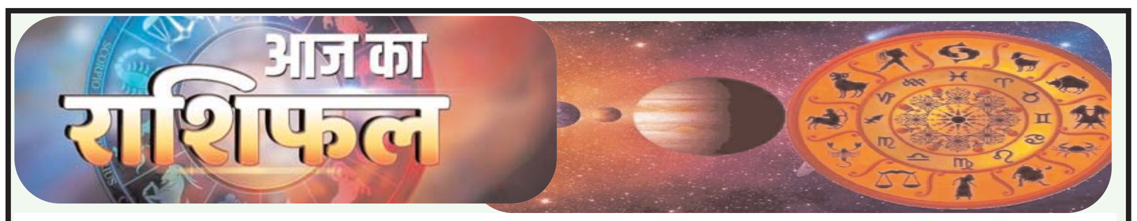

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुये है। ऑफिस में फ़ोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में ख़ुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज कोई ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर आपको मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको खान पान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चो में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड मिलेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्त्रोत भी आपको मिलेंगे।

बदलते बस्तर की तस्वीरः पर्यटन से विकास की नई राह

प्रकृति, जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प, होमस्टे और इको-टूरिज्म से स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को मिल रहा विस्तार

छत्तीसगढ़ का बस्तर अब अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। कभी नक्सलवाद और हिंसा के संदर्भ में चर्चा में रहने वाला यह क्षेत्र आज अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, परंपराओं और आतिथ्य के कारण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। बदलते वातावरण के साथ बस्तर में पर्यटन, इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के नए अवसर आकार ले रहे हैं।

बस्तर की सबसे बड़ी विशेषता यहां प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कुटुमसर एवं कैलाश गुफाएं, मां दंतेश्वरी मंदिर, दलपत सागर और बस्तर पैलेस जैसे स्थल पर्यटकों को प्रकृति, रोमांच, अध्यात्म और इतिहास का अनूठा अनुभव देते हैं। यहां आने वाला पर्यटक केवल दर्शनीय स्थल नहीं देखता, बल्कि स्थानीय जीवन, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, लोकनृत्य और संगीत से भी जुड़ता है। यही कारण है कि बस्तर को केवल पर्यटन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव आधारित पर्यटन के एक विशिष्ट क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

रायपुर: बस्तर का बदलता स्वरूप पर्यटन के ज़रिए विकास की नई राह

कनेक्टिविटी से खुल रहे विकास के नए रास्ते

पर्यटन के विस्तार के लिए बेहतर कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को मजबूत करने के प्रयास पर्यटन की संभावनाओं को नई गति दे रहे हैं। 'बस्तर 2.0' ब्लूप्रिंट में 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव दूरस्थ क्षेत्रों तक संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट बस्तर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में रायपुर और हैदराबाद के लिए हवाई संपर्क उपलब्ध है। वहीं रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना जैसी योजनाएं भविष्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की संभावनाएं रखती हैं। बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ केवल पर्यटकों को ही नहीं मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार, ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर संपर्क और युवाओं को पर्यटन आधारित रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

होमस्टे से गांवों तक पहुंचेगा पर्यटन का लाभ

बस्तर में ग्रामीण और जनजातीय होमस्टे पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन है। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण जीवन, जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक खान-पान का अनुभव देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

होमस्टे की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पर्यटन का आर्थिक लाभ सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुंच रहा है। पर्यटकों के ठहरने के साथ भोजन, स्थानीय गाइड, परिवहन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आसपास के अन्य परिवारों के लिए भी आय के अवसर बन रहे हैं।

बस्तर में नए कमरे के निर्माण पर प्रति कमरा 1 लाख रुपये और पूर्व से निर्मित कमरे के नवीनीकरण पर प्रति कमरा 50 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। न्यूनतम एक से अधिकतम नौ कमरों तक सहायता की व्यवस्था से ग्रामीण परिवार अपनी क्षमता के अनुसार पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। वर्तमान में 85 हितग्राहियों को अनुदान हेतु बैंको को प्रस्ताव भेजी जा चुकी है, तथा 27 होमस्टे पूर्व से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ पंजीकृत हैं।

संस्कृति बनी पर्यटन की सबसे बड़ी ताकत

बस्तर की जनजातीय संस्कृति उसकी सबसे बड़ी विशिष्टताओं में शामिल है। बेलमेटल और धातु शिल्प, लकड़ी एवं बांस की कला, पारंपरिक आभूषण, नृत्य, संगीत और खान-पान देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन इस सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच दे रहे हैं। वर्ष 2026 के बस्तर पंडुम में जनजातीय संस्कृति की 12 विधाओं को मंच मिला और लगभग 55 हजार आदिवासी लोगों की सहभागिता हुई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का अवसर दिया।

आस्था से लेकर एडवेंचर तक पर्यटन की विविध संभावनाएं

बस्तर में धार्मिक, सांस्कृतिक, इको और एडवेंचर पर्यटन की संभावनाएं एक साथ मौजूद हैं। मां दंतेश्वरी मंदिर और बस्तर दशहरा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को आधार देते हैं, वहीं कांगेर घाटी और धुड़मारास जैसे क्षेत्र प्रकृति एवं रोमांच आधारित पर्यटन के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं।

धुड़मारास में एडवेंचर पर्यटन, ग्लास ब्रिज और कैनोपी वॉक जैसी सुविधाओं की योजना तथा गांव का यूएन टूरिज्म बेस्ट टूरिज्म विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए चयन ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को नई पहचान दे रहा है।

पर्यटन से रोजगार और स्थानीय समृद्धि

बस्तर के पर्यटन विकास का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचे। होमस्टे संचालक, पर्यटन गाइड, स्थानीय ड्राइवर, भोजन सेवा, हस्तशिल्प विक्रेता, सांस्कृतिक कलाकार और साहसिक पर्यटन से जुड़े युवा इस नई पर्यटन अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन रहे हैं।

कलयुगी पिता ने खंभे से बांधकर 15 साल के बेटे को लाठियों से पीटा, दर्दनाक मौत; चारपाई पर शव छोड़ हुआ फरार

औरैया,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले से पिता-पुत्र के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। पूर्वा सोमवंशी गांव में एक कलयुगी पिता ने चोरी के शक और मामूली विवाद के चलते अपने ही 15 वर्षीय नाबालिग बेटे को रस्सी से खंभे से बांध दिया। इसके बाद उस पर बांस की लाठी से तब तक बेरहम प्रहार किए, जब तक कि मासूम की जान नहीं निकल गई। बेटे की सांसें थमने के बाद निर्दयी पिता उसके शव को चारपाई पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी पिता को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। घटना 21 सितंबर की रात की है। मृतक के बड़े भाई नीरज द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उस रात वह और उसकी बड़ी बहन गांव में आयोजित गणेश पूजा एवं कीर्तन में शामिल होने गए थे। घर पर छोटा भाई रिशु उर्फ ईशू (15) और एक छोटी बहन ही मौजूद थे। इसी दौरान पिता उम्मेद सिंह शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा। चोरी हुए कुछ पैसों को लेकर पिता और पुत्र के बीच पहले से अनबन चल रही थी। घर पहुंचते ही नशेड़ी पिता ने रिशु पर गुस्सा उतारना शुरू कर दिया।

पटियाला की चिटकारा यूनिवर्सिटी में 'भूत' की अफवाह के बाद मचा हंगामा, पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़

पटियाला,(आरएनएस)। पंजाब के राजपुरा में स्थित चिटकारा यूनिवर्सिटी में 'भूत' की अफवाह के बाद शुक्रवार देर रात हंगामा मच गया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। यूनिवर्सिटी के सैकड़ों छात्र सड़कों पर उतर आए और कैंपस में जमकर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की। फिलहाल, पटियाला पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

छात्रों का दावा था कि कैंपस में पहले किसी लड़की ने आत्महत्या की थी और उसका 'भूत' अब हॉस्टल के कमरों में रहने वाले छात्रों को परेशान कर रहा है। हालांकि, मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों और यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया कि यहां ऐसी कोई आत्महत्या की घटना नहीं हुई है। प्रशासन के मुताबिक, कुछ शरारती छात्र जानबूझकर दूसरे छात्रों के कमरों के दरवाजे खटखटाकर वहां से भाग जाते हैं। हालांकि, छात्र प्रशासन की इस दलील को मानने के लिए तैयार नहीं हुए और यूनिवर्सिटी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते रहे। मामला बढ़ता देख थाना बनूड़, थाना सदर राजपुरा और थाना सिटी राजपुरा से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस की ओर से छात्रों को शांत करने और स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किए जाने के दौरान माहौल और बिगड़ गया। आरोप है कि छात्रों ने पुलिस टीम के साथ हाथापाई की और पुलिस की एक गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी।

विराट गणपति महोत्सव करेलाबाग कालोनी का 26वां वर्ष धूमधाम से आयोजित

प्रयागराज (आरएनएस)। श्री गणपति जी सदा सहाय फाउंडेशन करेलाबाग कालोनी द्वारा गणपति महोत्सव का 26 वें वर्ष का आयोजन 14 सितंबर दिन शुक्रवार से 25 सितंबर दिन शुक्रवार तक दिव्य यज्ञ, हवन, आरती, पूजा, वंदना, गणपति जन्म, शिवनृत्य नाटिका इत्यादि द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

भगवान गणपति जी की विराट मूर्ति स्थापना 11 वैदिक ब्राह्मण द्वारा वैदिक विधि विधान से किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री एवं कार्यक्रम संयोजिका प्रीति सहाय के नेतृत्व में भगवान गणपति जी को 1011 लड्डू एवं अतिप्रिय 1011 मोदक का भोग लगाया गया।

अंतिम दिन यज्ञ हवन द्वारा गणपति पूजा संपन्न कराने वाले पूजा विधि-विधान व शास्त्रों के विद्वान पंडित उदित त्रिपाठी, पंडित अनुराग तिवारी, पंडित तरुण पांडे, पंडित हर्ष मिश्रा, पंडित प्रेम सागर,क्षपंडित जयप्रकाश एवं कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश को पुष्पहार, अंगवस्त्र, शिव पट्टिका, गणपति पुस्तिका, मिष्ठान आदि से मंच पर श्री गणपति सहाय सदा फाउंडेशन के ओजस्वी अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया।

आभूषण कारोबारी का शव रखकर हाईवे किया जाम

प्रयागराज ,(आरएनएस)। नैनी थाना क्षेत्र के मानस विहार अपार्टमेंट में आभूषण व्यवसाई भूपेंद्र सोनी की संदिग्ध दशा में मौत के मामले में शनिवार शाम को घरवाले आक्रोशित हो उठे। पोस्टमार्टम केक बाद शव को घूरपुर थाना क्षेत्र में प्रयागराज-रीवा हाईवे पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। घरवालों का आरोप है कि आभूषण कारोबारी की हत्या की गई है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर हत्यारों की गिरफ्तारी की जाए। मौके पर एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान और एसीपी करछना कुंजलता समझा-बुझा रहे हैं। ज्ञात हो कि नैनी थाना क्षेत्र में मानस विहार अपार्टमेंट में शुक्रवार को घटना हुई मानस विहार अपार्टमेंट में शुक्रवार दोपहर बड़ी घटना हो गई। आठ मंजिला अपार्टमेंट से संदिग्ध परिस्थितियों में एक आभूषण व्यवसायी नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। वह किस मंजिल से गिरे, कूदे या किसी ने उन्हें धक्का दिया, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। नैनी पुलिस इसकी जांच कर रही है। इस पूरी घटना में एक आश्चर्यचकित करने वाली बात यह सामने आई है कि जिस समय घटना हुई, वहां नैनी थाने के दो दारोगा मौजूद थे। वही व्यवसायी को अस्पताल ले गए थे। दोनों वहां किस काम से गए थे, यह नैनी इंस्पेक्टर स्पष्ट तौर पर नहीं बता पा रहे हैं। घूरपुर थाना क्षेत्र के चंपतपुर निवासी नेब्बू लाल सोनी के 30 वर्षीय पुत्र भूपेंद्र सोनी सारंगापुर में आभूषण की दुकान चलाते थे।

UN में भारत ने उतारी शहबाज शरीफ की बखिया, POK पर पेटल गहलोत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क,(आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सत्र के मंच पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा कश्मीर राग अलापने और सिंधु जल संधि को लेकर दी गई गीदड़भभकी का भारत ने करारा और मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारतीय मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने 'राइट टू रिप्लाई' के तहत पाकिस्तान के झूठे दावों और बेतुकी बयानबाजी की धज्जियां उड़ाते हुए उसे आतंकवाद की शरणस्थली करार दिया। उन्होंने याद दिलाया कि न्यूयॉर्क शहर और पूरी दुनिया ने महज दो सप्ताह पहले ही 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी मनाई है, और उस भयावह हमले का मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के ठीक बगल में सुरक्षित पनाह लिए बैठा था।

पेटल गहलोत ने कहा कि दुनिया ऐसे शासन से लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों पर उपदेश नहीं सुन सकती, जिसकी खुद की राजधानी अपने ही नागरिकों के डर से किले में तब्दील हो चुकी है।

सेना की कठपुतली सरकार, दिन में शांति की बात और रात में आतंकवाद

पाकिस्तानी हुकूमत के पाखंड को बेनकाब करते हुए उन्होंने पाकिस्तान को 'फॉर्म 47 की सरकार' बताते हुए कहा कि यह सेना की, सेना द्वारा और सेना के लिए चलने वाली व्यवस्था है, जहां कठपुतली शासक सिर्फ मुखौटा हैं और असली फैसले कोई और लेता है। भारतीय राजनयिक ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान का रिकॉर्ड नफरत और कट्टरता से भरा पड़ा है; वे दिन के उजाले में शांति और सुरक्षा की बात करते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देते हैं।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग, PoK में अपने ही लोगों पर जुल्म ढा रहा पाक

कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाते हुए पेटल गहलोत ने साफ किया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर बात करनी ही है, तो दुनिया का ध्यान पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (PoK) की तरफ जाना चाहिए। रावलकोट और आसपास के इलाकों में रहने वाले अवाम से पूछिए कि वे किस तरह दशकों से मनमानी हत्याओं, क्रूर हिंसा और बुनियादी नागरिक अधिकारों के हनन का दर्द झेल रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों और ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग को लेकर भी पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को उजागर किया।

ऑपरेशन सिंदूर का दिया हवाला, आतंकवाद पर भारत का रुख सख्त भारतीय राजनयिक ने आतंक के खिलाफ भारत के आक्रामक रुख को दोहराते हुए कहा कि देश आत्मरक्षा के अधिकार का पूरी ताकत से इस्तेमाल करेगा। उन्होंने पिछले घटनाक्रमों और 'ऑपरेशन सिंदूर' का संदर्भ देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि भारत ने यह साबित कर दिया है कि आतंकवादियों के पास अब न तो छिपने की जगह बचेगी और न ही भागने का रास्ता। उन्होंने कहा कि सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने की पाकिस्तान की नीति के गंभीर परिणाम होंगे और साल-दर-साल मंचों पर झूठ दोहराने से फरेब सच में तब्दील नहीं हो जाता।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, खाना खा रहे थे यात्री, तभी टूटे एसी कोच के शीशे; मचा हड़कंप

नागपुर (आरएनएस)। नागपुर से मुंबई जा रही वीआईपी ट्रेनों में शुमार 12290 दुरंतो एक्सप्रेस पर शुक्रवार रात अज्ञात उपद्रवियों द्वारा पथराव करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह वारदात वर्धा के समीप घटित हुई, जिससे तेज रफ्तार ट्रेन के वातानुकूलित कोच के शीशे टूटकर बिखर गए। अचानक हुई इस पत्थरबाजी से बोगी के भीतर मौजूद यात्रियों में बुरी तरह चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और सुरक्षा बल हरकत में आ गए। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 12290 दुरंतो एक्सप्रेस शुक्रवार रात करीब 8 बजे नागपुर स्टेशन से मुंबई के लिए रवाना हुई थी। रात लगभग 9 बजे जब ट्रेन वर्धा के पास से गुजर रही थी, तभी अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रैक किनारे से किसी अज्ञात व्यक्ति ने जोरदार पथराव कर दिया। यह पत्थर एसी थ्री टियर के B-4 कोच की खिड़की पर जाकर लगा। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त अधिकांश यात्री अपनी सीटों पर बैठकर रात का खाना खा रहे थे। अचानक कांच टूटने की तेज आवाज और खिड़की चटकने से यात्रियों में दहशत फैल गई। वारदात के तुरंत बाद यात्रियों ने मामले की जानकारी ट्रेन स्टाफ को दी, जिसके बाद ट्रेन को वर्धा स्टेशन पर रोका गया। मध्य रेल के अधिकारियों के अनुसार, वर्धा स्टेशन पहुंचते ही रेलवे की तकनीकी टीम ने तत्काल क्षतिग्रस्त शीशे की मरम्मत की। इसके साथ ही रेलवे सुरक्षा बल (RPF) थाने में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज करवाई गई। औपचारिकताएं और सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ट्रेन को मुंबई के लिए रवाना किया गया। फिलहाल आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमें ट्रैक के आसपास के इलाकों में छानबीन कर रही हैं ताकि पत्थर फेंकने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन्हें दबोचा जा सके।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश : एआई मॉर्फ तस्वीरें 24 घंटे में हटाए मेटा, पीड़िता को पुलिस सुरक्षा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कथित तौर पर एआई के जरिए मॉर्फ की गई तस्वीरों के प्रसार से जुड़े मामले में बड़ा आदेश देते हुए मेटा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों से सभी आपत्तिजनक तस्वीरें और संबंधित वेबलिंक 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है।

न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता महिला को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। साथ ही दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।हाई कोर्ट ने इस मामले में सीजेपी से जुड़े अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह को भी नोटिस जारी किया है।याचिका में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी तस्वीर को एआई तकनीक की मदद से एडिट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मॉर्फ किया गया और उसे सोशल मीडिया तथा अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया। महिला ने अदालत से इन तस्वीरों और उनसे जुड़े सभी वेबलिंक हटाने की मांग की थी।सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि इस मामले में दिल्ली पुलिस पहले ही एफआईआर दर्ज कर चुकी है। इसके बावजूद कथित आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिन्हें हटाने की मांग को लेकर महिला ने हाई कोर्ट का रुख किया। इससे पहले नई दिल्ली जिले के साइबर पुलिस स्टेशन में पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

पालतू कुत्ते-बिल्ली को सड़क पर छोड़ा तो लगेगा 25,000 रुपए जुर्माना, लागू हुआ सख्त नियम

चेन्नई, (आरएनएस)। अगर आपने पालतू कुत्ते या बिल्ली का लाइसेंस लिया है और फिर उसे सड़क या किसी सार्वजनिक जगह पर छोड़ दिया, तो अब आपको 25,000 रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। दरअसल, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) ने यह नया नियम लागू किया है।

नगर निगम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लोग अपने पालतू जानवरों को रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी सड़कों पर छोड़ देते हैं। इसी को रोकने के लिए जुर्माने का प्रावधान लाया गया है।

कॉर्पोरेशन हर लाइसेंस वाले जानवर को उसके मालिक से जोड़ने के लिए माइक्रोचिप का इस्तेमाल कर रहा है। इस चिप में मालिक का नाम, पता और जानवर के एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन की जानकारी होती है। अगर कोई पालतू जानवर सड़क पर लावारिस मिलता है तो माइक्रोचिप के जरिए उसके मालिक का पता लगाया जा सकेगा। यह रिकॉर्ड यह सुनिश्चित करने में भी मदद करेगा कि पालतू जानवरों को हर साल वैक्सीन लग रही है या नहीं। शहर की सीमा में रहने वाले पालतू जानवरों के मालिकों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। यह नियम अर्बन लोकल बॉडीज एक्ट, 1998 की धारा 292 और 2023 में बने नियमों के तहत लागू है। आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है। पालतू जानवरों के लिए माइक्रोचिप लगवाना जरूरी है।

जीसीसी ने अपनी ऑनलाइन पेट लाइसेंसिंग सिस्टम पिछले साल अक्टूबर में शुरू की थी। इस साल जुलाई तक कॉर्पोरेशन 78,232 पालतू जानवरों के मालिकों को लाइसेंस जारी कर चुका है।

प्रेमानंद महाराज के शिष्य की आश्रम की चौथी मंजिल से गिरकर मौत, प्राइवेट पार्ट कटने से गहराया रहस्य

वृंदावन (आरएनएस)। वृंदावन के विख्यात संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम 'गुरु कृपा कुंज' से एक बेहद सनसनीखेज और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे हुई इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शिष्य को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई है कि मृतक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था, जिससे पूरा मामला बेहद रहस्यमयी हो गया है।

सिर और शरीर पर गंभीर चोटें, अस्पताल में तोड़ा दम

मिली जानकारी के अनुसार, शिष्य का असली नाम दीपक लोधी था और वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। आश्रम में वह रसिक दुलारी शरण के नाम से साधना कर रहे थे। शुक्रवार सुबह अचानक वह आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे आ गिरे। फर्श पर गिरने के कारण उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद आश्रम के सेवादार उन्हें आनन-फानन में स्थानीय सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

आईआईटी प्लेसमेंट से पहले बड़ा एक्शन, जॉब ऑफर देकर मुकरने वाली 22 कंपनियों पर लगाया बैन

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में आगामी प्लेसमेंट सीजन शुरू होने से ठीक पहले बड़ा और सख्त फैसला लिया गया है। छात्रों को नौकरी का ऑफर लेटर देकर बाद में मुकरने वाली 22 कंपनियों को अगले दो वर्षों के लिए कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इन कंपनियों ने पिछले शैक्षणिक सत्र में 2026 बैच के छात्रों को जॉब ऑफर तो थमा दिए, लेकिन बाद में मंदी या आंतरिक कारणों का हवाला देते हुए उन्हें पूरा नहीं किया या सीधे वापस ले लिया। इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये के चलते प्रभावित छात्रों को भारी मानसिक व करियर संबंधी तनाव झेलना पड़ा, जिसे देखते हुए संस्थानों ने यह संयुक्त कड़ा रुख अपनाया है।

आईआईटी गुवाहाटी में एआईपीसी की बैठक में लिया गया कड़ा फैसला

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ रोकने के लिए यह सख्त कदम इसी महीने की शुरुआत में आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित ऑल आईआईटी प्लेसमेंट कमेटी की बैठक में उठाया गया। आईआईटी वह शीर्ष निकाय है जो देश के सभी 23 आईआईटी परिसरों में प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के नियम व दिशा-निर्देश तय करता है। हालांकि, पैनल ने तकनीकी रूप से इसे 'ब्लैकलिस्टिंग' की जगह 'नॉन-कोऑपरेशन' (असहयोग) की श्रेणी में रखा है। एआईपीसी समन्वयक और आईआईटी गुवाहाटी के एसोसिएट प्रोफेसर जॉन जोस के अनुसार, इन 22 कंपनियों के चलते 23 आईआईटी संस्थानों के 150 से अधिक ऑफर प्रभावित हुए हैं। कुछ कंपनियों ने तो अकेले 10 से 15 तक ऑफर रद्द कर दिए। कैंपस सूत्रों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, प्रभावित कंपनियों में अमेरिकी टेक दिग्गज ओरेकल का नाम भी प्रमुखता से शामिल है, जिस पर दो साल के लिए असहयोग की कार्रवाई की गई है। कंपनी पर कथित तौर पर आईआईटी छात्रों को दिए गए लगभग 40 ऑफर्स को पूरा न करने का आरोप है। वैश्विक स्तर पर की गई बड़े पैमाने की छंटनी का असर भारतीय कैंपस भर्तियों पर भी दिखा। इसके अलावा लिस्ट में कई बड़े और चर्चित स्टार्टअप्स भी शामिल हैं, जिन्होंने कैंपस में मोटी सैलरी पैकेज के वादे तो किए लेकिन समय आने पर छात्रों को ज्वाइनिंग देने से हाथ पीछे खींच लिए। प्रभावित छात्रों के लिए आगे आए संस्थान, 30त्न को मिली दूसरी नौकरियां

ऑफर रद्द होने से मुश्किल में फंसे छात्रों के लिए आईआईटी प्रशासन ने तुरंत बैकअप योजना पर काम शुरू किया है।

अमृतसर में एएसआई पर गोली चलाने वाला कुख्यात शूटर एनकाउंटर में ढेर, दोनों तरफ से चलीं 14 गोलियां; कस्टडी से हुआ था फरार

अमृतसर, (आरएनएस)। अमृतसर में पुलिस पर हमला करने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ पुलिस का कड़ा प्रहार जारी है। कुछ दिन पहले एएसआई पर जानलेवा हमला कर गोली चलाने और फिर पुलिस हिरासत से फरार होने वाले कुख्यात शूटर करणबीर सिंह को शनिवार को पुलिस ने एक भीषण मुठभेड़ में ढेर कर दिया। अमृतसर देहात के कंडोवालिया इलाके में हुई इस मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से करीब 14 राउंड अंधाधुंध फायरिंग हुई। इस गोलीबारी में एक पुलिस जवान भी घायल हुआ है, जबकि गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हुए आरोपी करणबीर ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

कंडोवालिया में घेराबंदी, पुलिस टीम पर खोल दी अंधाधुंध फायरिंग

पुलिस के अनुसार, हिरासत से फरार चल रहे आरोपी की तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही थीं। सटीक इनपुट के आधार पर जब पुलिस टीम ने अमृतसर देहात के कंडोवालिया क्षेत्र में आरोपी को चारों तरफ से घेर लिया, तो उसने सरेंडर करने के बजाय पुलिस पार्टी पर सीधे गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुई फायरिंग में एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में त्वरित जवाबी कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाला और सटीक फायरिंग की, जिसमें आरोपी करणबीर बुरी तरह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गौरतलब है कि आरोपी करणबीर सिंह ने एएसआई जसवंत सिंह पर जानलेवा हमला करते हुए गोली चलाई थी। उस हमले में एएसआई बाल-बाल बच गए थे और गंभीर रूप से जख्मी होने के बावजूद अदम्य साहस दिखाते हुए खुद बाइक चलाकर थाने पहुंचे थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया था।

कांगो में सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, 14 लोगों की मौत, हादसे में दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की भी गई जान

तकनीकी खराबी के बाद आवासीय इलाके में गिरा विमान

किंशासा,(आरएनएस)। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सेना के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब विमान दक्षिण-पश्चिमी शहर किकविट से राजधानी किंशासा के लिए उड़ान भर रहा था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद चालक दल ने सुरक्षित उतरने का प्रयास किया। इसी दौरान विमान केंगे इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और जमीन पर गिरते ही आग के गोले में बदल गया।

जानकारी के मुताबिक, विमान में उड़ान के दौरान तकनीकी समस्या आने के बाद उसने केंगे शहर के ऊपर कई चक्कर लगाए। चालक दल ने विमान को सुरक्षित उतारने का प्रयास किया, लेकिन वहां उचित हवाई पट्टी उपलब्ध नहीं होने के कारण विमान रिहाइशी इलाके में जा गिरा। दुर्घटना के बाद विमान में भीषण आग लग गई, जिससे कई शव बुरी तरह झुलस गए।

हादसे में जान गंवाने वाले दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की पहचान सैन्य न्यायालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मुटोम्बो कातालायी टिएंडे और सशस्त्र बलों के महालेखा परीक्षक लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया के रूप में हुई है।

कांगो सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल इफोमी एकेंगे ने बताया कि दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा प्रतिनिधिमंडल के 12 सदस्यों और विमान के चालक दल के सदस्यों की भी दुर्घटना में मौत हुई है। उन्होंने हादसे में कुल 14 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की।

प्रांत के उप-राज्यपाल रेमी साकी बोकिंडा ने बताया कि दुर्घटना में मारे गए 12 लोगों के शव इतनी बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि विमान के पायलट का शव विमान के बाहर मिला।

हादसे के बाद संबंधित सरकारी विमानन दुर्घटना जांच निकाय ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के कारणों, दुर्घटना से पहले चालक दल द्वारा किए गए प्रयासों और विमान के रिहाइशी इलाके में गिरने की परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। फिलहाल दुर्घटना के विस्तृत कारणों का आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र में शहबाज शरीफ ने भारत-पाक संघर्ष और सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया

न्यूयॉक(आरएनएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में शुक्रवार को अपने संबोधन के दौरान मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय उनके हस्तक्षेप से दोनों परमाणु-संपन्न देशों के बीच तनाव को और बढ़ने से रोकने में मदद मिली। शरीफ ने कहा कि चार दिनों तक चले सैन्य टकराव के दौरान स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी और दोनों देश व्यापक संघर्ष की ओर बढ़ रहे थे।

शरीफ ने कहा कि दक्षिण एशिया को दोबारा ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचना चाहिए, जहां सैन्य तनाव बड़े युद्ध का रूप ले ले। उन्होंने मई 2025 के संघर्ष का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को आत्मरक्षा के अधिकार के तहत उठाया गया कदम बताया और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर के नेतृत्व की सराहना की।

डोनाल्ड ट्रंप की आगामी एयर फोर्स वन यात्रा से सीएनएन को किया गया प्रतिबंधित

–मीडिया पहुंच और प्रथम संशोधन को लेकर विवाद के बीच लिया गया फैसला

वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगामी एयर फोर्स वन यात्रा के लिए व्हाइट हाउस ने समाचार चैनल सीएनएन की जगह 'रियल अमेरिकाज वॉयस न्यूज' को शामिल किया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति की मीडिया पहुंच और संविधान के प्रथम संशोधन से जुड़े अधिकारों को लेकर चल रहे विवाद के बीच सामने आया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी दिशानिर्देशों में इसकी पुष्टि की गई है। इसके अनुसार, ट्रंप शनिवार को टेनेसी के नॉक्सविले के लिए रवाना होंगे।

ट्रंप के नॉक्सविले में टेनेसी विश्वविद्यालय और टेक्सस विश्वविद्यालय के बीच होने वाले कॉलेज फुटबॉल मुकाबले में शामिल होने की उम्मीद है। इस दौरान एयर फोर्स वन में मीडिया की पहुंच को लेकर लिया गया निर्णय विवाद का विषय बन गया है।

सीएनएन को एयर फोर्स वन से बाहर करने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों को मीडिया पहुंच पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ अदालत से राहत मिली थी। अमेरिकी जिला न्यायाधीश तीमोथी केली ने इन प्रतिबंधों पर अस्थायी रोक लगाई थी।

हालांकि, अदालत का आदेश मुख्य रूप से व्हाइट हाउस परिसर के स्थायी प्रवेश पत्र तक सीमित था। आदेश में सीधे तौर पर मीडिया समूहों की पूल संबंधी जिम्मेदारियों या एयर फोर्स वन तक पहुंच का उल्लेख नहीं किया गया था। समाचार संस्थानों के वकील थिओडोर बूट्रोस जूनियर ने इससे पहले कहा था कि उनकी समझ में अदालत का फैसला पूल पहुंच पर भी लागू होता है। वहीं, व्हाइट हाउस ने अब तक अदालत के आदेश की इस व्याख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की है।दरअसल, ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस परिसर में सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अन्य चार पूल प्रदाताओं ने एकजुटता दिखाते हुए पूल व्यवस्था में शामिल होने से इनकार कर दिया था। हालांकि, शुक्रवार को कुछ समय के लिए व्हाइट हाउस के लिए अमेरिकी नेटवर्क वीडियो पूल फिर से संचालित हुआ। अमेरिकी नेटवर्क वीडियो पूल पांच प्रमुख अमेरिकी प्रसारण संस्थानों का समूह है। ये संस्थान बारी-बारी से व्हाइट हाउस की गतिविधियों की वीडियो सामग्री तैयार करते हैं और उसे एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की दृश्य सामग्री अन्य समाचार संस्थानों तक भी पहुंचाई जाती हैट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनके प्रशासन और उन मीडिया संस्थानों के बीच टकराव बढ़ा है, जिनकी खबरें या रिपोर्टिंग उनके लिए प्रतिकूल मानी जाती हैं।

ट्रंप ने ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकराया, मध्यावधि चुनाव के बाद कर सकते हैं बमबारी

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के 7 दिन के शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सूत्रों ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से ये जानकारी दी है। इसके अलावा रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ट्रंप अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर फिर से हमला शुरू कर सकते हैं। ट्रंप ने अधिकारियों से कहा कि उन्हें लगता है कि नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावना अधिक है।रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने निजी तौर पर इस बात पर संदेह व्यक्त किया है कि ईरान उनकी मांगों को पूरा करेगा।खबरों के मुताबिक, उन्होंने अपने कर्मचारियों से कहा है कि उन्हें लगता है कि नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावना अधिक है।इससे पहले एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया था कि अमेरिका और ईरान मध्यस्थों के माध्यम से सकारात्मक और रचनात्मक बातचीत कर रहे हैं।ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने के लिए 7 दिवसीय योजना का प्रस्ताव रखा था।न्यूयॉर्क में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि यह प्रस्ताव इस्लामाबाद में हुए समझौते पर ही आधारित है, जिस पर जून में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने हस्ताक्षर किए थे। प्रस्ताव के अनुसार, दोनों पक्षों द्वारा समझौते को स्वीकार करने के 7 दिनों के भीतर सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म हो जाएगा। इसमें लेबनान भी शामिल है।

बैंकॉक में भीषण बारिश से बाढ़, सभी 50 जिले आपदा प्रभावित घोषित

लगातार 48 घंटे बारिश से जनजीवन प्रभावित, 3 करोड़ घन मीटर पानी जमा; प्रशासन ने राहत कार्य तेज किए

बैंकॉक, (आरएनएस)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में करीब 48 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बड़े पैमाने पर बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने शहर के सभी 50 जिलों को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

प्रशासन के अनुसार, राजधानी में करीब 3 करोड़ घन मीटर पानी जमा हो गया है। मिन बुरी इलाके में 274.5 मिलीमीटर और ख्लोंग सैम वा में 273 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा पड़ोसी नोंथाबुरी और पथम थानी क्षेत्रों से भी अतिरिक्त पानी बैंकॉक की ओर पहुंचा है, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई।बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन ने बड़े पैमाने पर राहत एवं जल निकासी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने कुल 1,200 घन मीटर प्रति सेकंड पानी निकालने की क्षमता वाले पंपों को संचालन में लगाया है। इसके साथ ही करीब 10 लाख रेत की बोरियां वितरित की जा रही हैं, ताकि बाढ़ के पानी को रिहाइशी और संवेदनशील क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सके।

बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए उन स्कूलों को अस्थायी आश्रय स्थलों के रूप में खोला जा रहा है, जहां बाढ़ का असर नहीं हुआ है। प्रशासन ने राहत कार्यों में कमजोर और जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। इनमें बिस्तर पर रहने वाले मरीजों तथा ऐसे अन्य लोगों को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जिन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में सहायता की आवश्यकता है।अधिकारियों के मुताबिक, शहर की प्रमुख नहरों में जलस्तर अब स्थिर होने लगा है। यदि आगे और बारिश नहीं होती है तो करीब छह घंटे के भीतर बाढ़ की स्थिति में सुधार शुरू होने की संभावना है। हालांकि, प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

मनोरंजन

संस्कार को लेकर पहले थोड़ी झिझक में थीं मुग्धा गोडसे, बोलीं- कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट संस्कार को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। मुग्धा ने कहा, मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो। मुग्धा ने कहा, शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया। उन्होंने कहा, यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था।

हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? मिर्जापुर एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

मिर्जापुर फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।हर्षिता ने बताया, मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं।

परफ्यूम लगाते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा अच्छा परिणाम

परफ्यूम लगाना एक कला है, जो आपके व्यक्तित्व को और भी खास बना सकती है। सही तरीके से परफ्यूम लगाने से आप पूरे दिन ताजगी महसूस कर सकते हैं और दूसरों पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इस लेख में हम आपको परफ्यूम लगाने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने दिन की शुरुआत ताजगी के साथ कर सकते हैं और पूरे दिन खुशबू भी बनी रहेगी।

त्वचा की सफाई करें

परफ्यूम लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से साफ करें। साबुन और पानी से नहाने के बाद ही परफ्यूम लगाना चाहिए, ताकि आपकी त्वचा पर कोई गंदगी या तेल न हो। इससे परफ्यूम की खुशबू बेहतर तरीके से चिपकती है और लंबे समय तक रहती है। अगर आप शॉवर जेल का इस्तेमाल करते हैं तो उसे सूखने दें और फिर परफ्यूम लगाएं। यह तरीका आपकी त्वचा को ताजगी भरा महसूस कराएगा और खुशबू लंबे समय तक बनी रहेगी।

सही जगह चुनें

परफ्यूम लगाने के लिए सही जगह चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर गर्दन, कलाई, कान के पीछे और घुटनों के पीछे परफ्यूम लगाना अच्छा रहता है। इन जगहों पर खून का बहाव ज्यादा होता है, जिससे खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। इन्हीं जगहों पर परफ्यूम लगाने से आप पूरे दिन ताजगी महसूस कर सकते हैं और दूसरों पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकते हैं। सही जगह पर परफ्यूम लगाने से आपकी खुशबू पूरे दिन बनी रहती है।

सही मात्रा में उपयोग करें

परफ्यूम लगाते समय सही मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। ज्यादा परफ्यूम लगाने से उल्टा असर हो सकता है और आपको असहज महसूस हो सकता है। सामान्यत॰ 2-3 स्प्रे पर्याप्त होते हैं। इसे अपनी कलाई, गर्दन और कान के पीछे हल्के से लगाएं और जरूरत पड़ने पर दिनभर में एक बार फिर से स्प्रे करें। इससे आप ताजगी भरा महसूस करेंगे और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी। सही मात्रा में परफ्यूम लगाना आपकी त्वचा को आरामदायक बनाएगा।

परफ्यूम को त्वचा पर न रगड़ें

परफ्यूम को त्वचा पर रगड़ना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इसकी खुशबू कम हो जाती है और त्वचा पर जलन भी हो सकती है। परफ्यूम को हमेशा हल्के हाथों से स्प्रे करें या डॉट करें, ताकि यह सही तरीके से त्वचा में समा जाए। इससे परफ्यूम की खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है और आपको असहज महसूस नहीं होता। सही तरीके से परफ्यूम लगाने से आप ताजगी भरा महसूस करेंगे और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी।

कपड़ों पर न लगाएं

कपड़ों पर परफ्यूम लगाने से धब्बे हो सकते हैं या कपड़े खराब हो सकते हैं, इसलिए इसे सीधे त्वचा पर लगाना चाहिए। अगर आप कपड़ों पर परफ्यूम लगाना चाहते हैं तो पहले इसे किसी हल्के कपड़े पर टेस्ट करें, ताकि कोई नुकसान न हो। इस तरह आप आसानी से दिनचर्या में परफ्यूम लगाकर ताजगी भरा महसूस कर सकते हैं और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी खुशबू को लंबे समय तक बना सकते हैं।

महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण पुरुषों से क्यों होते हैं अलग? जानिए इसके कारण

हृदय रोग महिलाओं और पुरुषों, दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण पुरुषों से अलग हो सकते हैं। यह लेख इस बात पर केंद्रित है कि क्यों महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण अलग होते हैं और इसे समझना क्यों जरूरी है। महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण अक्सर धड़कन तेज होना, सांस लेने में कठिनाई, थकान और चक्कर आना जैसे होते हैं। आइए इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करें।

हार्मोनल बदलाव का असर

महिलाओं में हार्मोनल बदलाव हृदय स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन का स्तर घटता है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है।एस्ट्रोजन दिल की धमनियों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। इस दौरान हार्मोनल असंतुलन भी महिलाओं को हृदय रोगों की ओर ले जा सकता है।इसके अलावा गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान भी हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

लक्षण पहचानने में मुश्किल

महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण अक्सर अस्पष्ट होते हैं,

जिससे पहचानना मुश्किल हो जाता है। स्तन दर्द, पेट दर्द, थकान और चक्कर आना जैसे लक्षण आम समझे जाते हैं, लेकिन ये हृदय रोग के संकेत हो सकते हैं। इस कारण महिलाएं डॉक्टर की सलाह लेने में देरी कर देती हैं, जिससे स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए, इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

मानसिक तनाव का असर

मानसिक तनाव भी महिलाओं के हृदय रोगों का एक बड़ा कारण हो सकता है। कामकाजी महिलाएं, घर की जिम्मेदारियां निभाने वाली महिलाएं या अन्य किसी कारणवश मानसिक तनाव का सामना करने वाली महिलाएं हृदय रोगों के जोखिम में होती हैं।मानसिक तनाव से रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे दिल पर दबाव पड़ता है और हृदय रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जुड़ाव

महिलाओं में हृदय रोग होने पर अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएं भी जुड़ सकती हैं, जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा आदि।

ये समस्याएं हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकती हैं और इलाज को जटिल बना सकती हैं।इसलिए, महिलाओं को अपनी सभी स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और नियमित जांच करवानी चाहिए ताकि समय पर सही उपचार मिल सके। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण अलग होते हैं।

राजनांदगांव में गणेश विसर्जन झांकी की तारीख बदली, रायपुर में भी बदलने का विचार

रायपुर,(आरएनएस)। लगातार हो रही बारिश के बीच गणेश विसर्जन झांकी के कार्यक्रम में बदलाव की तैयारी है। रायपुर में पहले 27 सितंबर रविवार को झांकी निकाले जाने का कार्यक्रम तय था, लेकिन मौसम को देखते हुए अब इसे 28 सितंबर सोमवार को कराने पर विचार किया जा रहा है। अंतिम फैसला प्रशासन और गणेश समितियों की बैठक के बाद लिया जाएगा।

बारिश को देखते हुए राजनांदगांव में भी गणेश विसर्जन झांकी की तारीख बदल दी गई है। शुक्रवार को निकलने वाली झांकियां अब 26 सितंबर शनिवार को निकाली जाएंगी। गणेश समितियों के साथ हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

रायपुर में झांकी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन मौसम की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की नई तारीख तय करेगा।

पीएससी से चयनित 13 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति एवं पदस्थापना निरस्त

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 13 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति एवं पदस्थापना निरस्त कर दी गई है। उक्त कार्यवाही निर्धारित समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने के चलते की गई है। इन अभ्यर्थियों को प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थापना दी गई थी।

बांधों में बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर महानदी सहित नदी-नालों के किनारे अलर्ट

धमतरी, (आरएनएस)। जिले में लगातार हो रही वर्षा तथा बांधों में पानी की लगातार बढ़ती आवक को देखते हुए जलाशयों के जलस्तर पर सतत निगरानी रखी जा रही है। आगामी वर्षा एवं जलाशयों में पानी की संभावित आवक को ध्यान में रखते हुए गंगरेल बांध सहित जिले के अन्य जलाशयों से पानी छोड़ा जा रहा है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन ने महानदी के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी करते हुए नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। दिनांक 25 सितंबर 2026 को शाम 6 बजे की स्थिति में जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव की स्थिति इस प्रकार है—गंगरेल जलाशय: 96.54 प्रतिशत, आवक 1,77,006 क्यूसेकमुरूमसिल्ली जलाशय: 99.10 प्रतिशत, आवक 15,207 क्यूसेकदुधावा जलाशय: 100 प्रतिशत, आवक 44,595 क्यूसेक सोंढूर जलाशय: 87.74 प्रतिशत, आवक 28,726 क्यूसेक गंगरेल बांध से 2.51 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा बांधों में पानी की लगातार बढ़ती आवक एवं जलस्तर को देखते हुए गंगरेल बांध से 2,51,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से रुद्री बैराज के माध्यम से 4,000 क्यूसेक पानी नहर में तथा 2,47,000 क्यूसेक पानी महानदी में प्रवाहित किया जा रहा है।

बस्तर सांसद ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, राहत शिविरों में सुनी समस्याएं

जगदलपुर, (आरएनएस)। बस्तर में चक्रवात तुफान अर्नब के कारण लगातार बारिश से इंद्रावती नदी व इसके सहायक नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच बस्तर सांसद महेश कश्यप शनिवार सुबह से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर शहर के डोंगाघाट,आसना और प्रवीर वार्ड सहित प्रभावित इलाकों में पहुंचकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया।इसके साथ ही सांसद कश्यप बकावंड विकासखंड के बाढ़ प्रभावित कुरुषनार,लिटिगुड़ा,शुक्रापाल भी पहुंचेद्य उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान सांसद प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

सांसद ने राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रभावित लोगों की सुरक्षा,भोजन,पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर प्रशासन से समन्वय किया। इससे पहले बीती शुक्रवार की शाम सांसद महेश कश्यप मोटर बोट के माध्यम से नगरनार क्षेत्र के भेजापदर गांव पहुंचे थे। भारी बारिश और इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण यह गांव टापू में तब्दील हो गया था। सांसद रेस्क्यू टीम के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लिया। लगातार बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच सांसद कश्यप प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं।

कार रोकवाकर सामान चोरी करने का नया तरीका, रायपुर पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

रायपुर, (आरएनएस)। शहर में कार चालक का ध्यान भटकाकर वाहन के अंदर रखा कीमती सामान चोरी करने का नया तरीका सामने आया है। मामले को देखते हुए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने वाहन चालकों को सतर्क रहने की अपील करते हुए एडवाइजरी जारी की है।

पुलिस के मुताबिक, हाल ही में थाना गंज में दर्ज एक मामले में आरोपियों ने कार चालक को बोनट के सामने ऑयल गिरने या लीकेज होने की बात कहकर वाहन रोकने पर मजबूर किया। चालक ने कार सड़क किनारे खड़ी कर बोनट की जांच शुरू की और सर्विसिंग वाले से संपर्क करने में व्यस्त हो गया। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने कार में रखा बैग चोरी कर लिया। बैग में नकदी, बैंक संबंधी दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण सामान रखा था।

० इन बहानों से रहें सावधान

पुलिस ने वाहन चालकों से कहा है कि रास्ते में कोई व्यक्ति 'ऑयल गिर रहा है', 'कार से आवाज आ रही है', 'टायर में कुछ समस्या है' जैसे बहाने बनाकर अचानक वाहन रोकने को कहे तो सतर्क हो जाएं। कार से बाहर निकलने से पहले उसमें रखा कीमती सामान अपने पास सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है। यदि कार में सामान रखा है तो वाहन से बाहर निकलने से पहले उसे लॉक करने को कहा गया है। अनजान व्यक्ति के कहने पर सड़क पर अचानक वाहन रोकने के बजाय सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर वाहन की जांच करने की सलाह दी गई है।

गेम रेंजर खोंड़ की तानाशाही: एलिफेंट रिजर्व के मुख्य वन संरक्षक के आदेश को दिखा रहे ठेंगा, आरटीआई कानून की उड़ाई धज्जियां

अम्बिकापुर/चिरमिरी, (आरएनएस)। सरगुजा संभाग के महत्वपूर्ण क्षेत्र के अंतर्गत सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम को गेम रेंजर किस तरह ठेंगा दिखा रहे हैं, हाथी अभ्यारण्य क्षेत्र के गेम रेंजर खोंड़ पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सरेआम अवहेलना करने और आरटीआई के तहत जानकारी छिपाने के गंभीर आरोप हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट एलीफेंट), सरगुजा ने सख्त रुख अपनाते हुए गेम रेंजर को अंतिम चेतावनी जारी की है। आदेश हवा में उड़ाए, एलिफेंट रिजर्व क्षेत्र की जानकारी दबाकर बैठे रेंजर प्राप्त आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, आवेदक जितेन्द्र कुमार सिंह ने आरटीआई के तहत एलीफेंट रिजर्व के गेम रेंजर खोंड़ से कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी थीं।

एचएनएलयू और छत्तीसगढ़ पुलिस ने साइबर सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम डिफेंडिंग द डिजिटल फ्रंटियर का आयोजन किया

छत्तीसगढ़ पुलिस के राज्यव्यापी 'साइबर जागृति अभियान' के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

रायपुर (आरएनएस)। उभरते साइबर खतरों के प्रति जन-जागरूकता को मजबूत करने और डिजिटल सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नवा रायपुर के 'सेंटर फॉर इंटरनेट गवर्नेंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' ने छत्तीसगढ़ पुलिस के सहयोग से 24 सितम्बर 2026 को डिफेंडिंग द डिजिटल Frontier ए साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस प्राइमर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह पहल छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी साइबर जागृति अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों (फैकल्टी) और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान साइबर अपराध के तेजी से बदलते स्वरूप, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, महिलाओं तथा संवेदनशील वर्गों से जुड़ी साइबर सुरक्षा चुनौतियों और डिजिटल युग में उभरते कानूनी पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, माननीय विधि एवं विधायी कार्य मंत्री (छत्तीसगढ़ शासन) गजेंद्र यादव ने साइबर अपराधियों के बदलते पैंतरों (मोडस ऑपरेंडी) पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपराधी अक्सर रिश्तेदारों या परिचितों का छद्म रूप धारण कर फर्जी कॉल के जरिए आम लोगों को निशाना बनाते हैं।

मंत्री यादव ने युवाओं से आग्रह किया कि वे ऐसी किसी भी अनजानी संचार व्यवस्था या कॉल पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न दें। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल सेफ्टी एम्बेसडर बनने का आह्वान किया, ताकि वे अपने परिवारों, मित्रों और स्थानीय समुदायों तक साइबर सुरक्षा का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें।

एचएनएलयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन ने कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीक का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल युग में रिस्पॉन्सिबल सिटिजनशिप (जिम्मेदार नागरिकता) का अनिवार्य हिस्सा है।उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दोहरी भूमिका पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि एआई जहाँ परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करता है, वहीं इसका दुरुपयोग अधिक जटिल साइबर अपराधों को अंजाम देने में भी हो सकता है। उन्होंने अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, अवांछित संदेशों से सतर्क रहने और निजी जानकारी साझा करते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी।रायपुर ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव में सजगता और सतर्कता ही सुरक्षा की पहली पंक्ति (फर्स्ट फायरवॉल) हैं। उन्होंने युवाओं से साइबर फ्रॉड के शुरुआती संकेतों को पहचानने, सुरक्षित डिजिटल आदतों को अपनाने और किसी भी संदिग्ध घटना या धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट दर्ज कराने का आग्रह किया।

खेल समाचार

एशियन गेम्स में आशी का सटीक निशाना, भारत के खाते में रजत

मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की आशी चौकसे ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में जीता सिल्वर तिलोत्तमा सेन और विदरसा के. विनोद के साथ भारतीय टीम ने 1763 अंक अर्जित कर हासिल किया दूसरा स्थान

भोपाल(आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में मध्यप्रदेश की प्रतिभावान निशानेबाज एवं मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी आशी चौकसे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नागोया में आयोजित महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम स्पर्धा में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदरसा के. विनोद की भारतीय टीम ने 1763 अंक अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंकों के साथ स्वर्ण तथा कजाकिस्तान ने 1754 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

आशी ने 585 अंक के साथ टीम की पदक जीत में दिया अहम योगदान

50 मीटर राइफल 3 पोजिशन की क्वालिफिकेशन स्पर्धा में आशी चौकसे ने 585 अंक अर्जित किए। उन्होंने नीलिंग पोजिशन में 196 और प्रोन पोजिशन में शानदार 199 अंक हासिल किए। स्टैंडिंग पोजिशन में 93 और 97 की सीरीज के साथ उन्होंने टीम के कुल स्कोर को मजबूत आधार दिया। आशी व्यक्तिगत फाइनल में स्थान नहीं बना सकीं, लेकिन उनका प्रदर्शन भारतीय टीम के संयुक्त 1763 अंकों में महत्वपूर्ण रहा।भोपाल में जन्मीं आशी चौकसे ने वर्ष 2017 में कक्षा 9वीं के दौरान नेशनल कैडेट कोर के माध्यम से शूटिंग की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। कोच सुमा शिरूर और वैभव शर्मा के मार्गदर्शन में आशी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2022 में उन्होंने बाकू आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण पदक सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।खिलाड़ी आशी चौकसे ने इससे पहले वर्ष 2023 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में भी 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में रजत पदक और व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था। अब 2026 एशियन गेम्स में एक बार फिर इसी स्पर्धा की टीम में रजत पदक जीतकर उन्होंने एशियाई खेलों में अपनी निरंतरता और उत्कृष्ट प्रदर्शन को कायम रखा है।आशी चौकसे के रजत पदक के साथ ही एशियन गेम्स 2026 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के खाते में अब तक कुल 3 पदक हो गए हैं, जिनमें 2 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। रजत पदक में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष टीम स्पर्धा में, जबकि आशी चौकसे ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है।

हार्दिक पांड्या हुए नई इंजरी का शिकार, ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंबे समय से चोट के चलते भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से होने वाली वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। हार्दिक अब नई इंजरी की चपेट में आ गए हैं।'क्रिकबज' की खबर के अनुसार, हार्दिक का न्यूजीलैंड में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेल पाना भी मुश्किल नजर आ रहा है। हार्दिक को 'शिन' (पिंडली या पैर के निचले हिस्से की हड्डी में दर्द और सूजन) इंजरी हुई है। हार्दिक को खेल से दूर रहते हुए मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा है। रिहैबिलिटेशन (ठीक होने की प्रकिया) के दौरान उन्हें बार-बार चोटों का सामना करना पड़ा है। इस साल जून में उनके अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रहने के दौरान क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण वह बाहर हो गए थे।ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भी उनका चयन फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर था, हालांकि पहले वनडे मैच से दो हफ्ते से भी कम समय पहले हार्दिक की मैच खेलने की तैयारी एक बार फिर बुरी तरह पटरी से उतर गई है। हार्दिक ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच मार्च में अहमदाबाद में वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल था। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14 में से 10 मैचों में हिस्सा लिया था, लेकिन उसके बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। हार्दिक को लगातार होती एक के बाद एक इंजरी ने भारतीय टीम की परेशानी भी बढ़ा दी है। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप 2027 के लिए हार्दिक को भारतीय टीम का अहम खिलाड़ी माना जा रहा है। हार्दिक का रिकॉर्ड खासतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट्स में कमाल का रहा है। टी20 विश्व कप 2026 में भी हार्दिक ने 9 मुकाबलों में 160 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 217 रन बनाए थे। वहीं, गेंदबाजी में भी अहम विकेट चटकाए थे।

Asian Games 2026: फाइनल में ईरान को धूल चटा महिला कबड्डी टीम ने जीता Gold, देश की झोली में तीसरा स्वर्ण

नागोया (आरएनएस)। जापान के नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स 2026 में भारत का स्वर्णिम अभियान पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचते हुए देश को टूर्नामेंट का

तीसरा गोल्ड मेडल दिला दिया है। बेहद रोमांचक और सांसें रोक देने वाले फाइनल मुकाबले में भारत ने ईरान की मजबूत टीम को 37-34 के अंतर से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। इस खिताबी जीत के साथ ही भारतीय बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कबड्डी के मैदान में तिरंगे की शान को कोई चुनौती नहीं दे सकता। मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाते हुए पहले हाफ में 22-16 की मजबूत बढ़त बना ली थी। हालांकि, दूसरे हाफ में ईरान ने जबर्दस्त पलटवार किया और एक वक्त स्कोर 27-26 तक पहुंचाकर मुकाबले को बेहद कशमकश में डाल दिया। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने धैर्य नहीं खोया और अपनी बढ़त को बनाए रखा। फाइनल में स्टार रेडर संजू देवी ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए अहम मौकों पर अंक बटोरे और भारत की खिताबी जीत पर मुहर लगा दी। टीम की कोच ने टूर्नामेंट से पहले आत्मविश्वास से कहा था कि कबड्डी भारत की अपनी मिट्टी का खेल है और यहां हमें कोई नहीं हरा सकता, जिसे खिलाड़ियों ने सच कर दिखाया।

विराट कोहली का बड़ा ऐलान, बोले- यह मेरा आखिरी वर्ल्ड कप होगा, निराश हुए फैंस

नई दिल्ली(ए.)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अब आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 पर अपना पूरा ध्यान लगा रहे हैं। उन्होंने माना कि साउथ अफ्रीका में होने वाला यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी वनडे विश्व कप हो सकता है। ऐसे में वह इसे यादगार बनाने और भारत को चैंपियन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के आगाज से पहले 'जियोस्टार' से बात करते हुए कोहली ने 50 ओवर के वर्ल्ड कप की खासियत के बारे में बताया और उस प्रेरणा का जिक्र किया जो उन्हें इस बड़े टूर्नामेंट की ओर ले जा रही है। कोहली ने कहा कि 50 ओवर के वर्ल्ड कप का दबाव और तीव्रता किसी भी दूसरे टूर्नामेंट से कहीं ज्यादा होती है। उनके मुताबिक, आज के दौर में वनडे क्रिकेट की रफ्तार भी टी20 जैसी हो गई है, जिससे खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का दबाव बढ़ जाता है।उन्होंने कहा, 50 ओवर के वर्ल्ड कप की तीव्रता किसी भी चीज से ज्यादा होती है। अब आपको ऐसे 10 मैच खेलने पड़ते हैं, जिनमें टी20 जैसा दबाव और गति होती है। एक तरह से आप एक दिन में ढाई टी20 मैच के बराबर क्रिकेट खेल रहे होते हैं।कोहली ने आगे कहा कि किसी बड़े टूर्नामेंट में लगातार 10 मैचों तक उसी स्तर की ऊर्जा और प्रदर्शन बनाए रखना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व कप 2027 विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा, जिससे खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, इतने लंबे समय तक उसी तीव्रता के साथ खेलना आसान नहीं होता। ऊपर से जब टूर्नामेंट विदेशी हालात में हो, तो उसमें और ज्यादा ऊर्जा, तैयारी और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। विराट कोहली ने कहा कि वनडे विश्व कप 2027 शायद उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा और यही बात उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित करती है। उन्होंने

साफ तौर पर कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व कप जिताना है और इसके लिए वह अपना सब कुछ झोंकने को तैयार हैं। कोहली ने कहा, मेरे लिए यह भारत के लिए खेलने वाला आखिरी वर्ल्ड कप होगा। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। आप मैदान पर अपना सब कुछ देने की कोशिश करते हैं। जाहिर है कि लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना ही है और इसके लिए जो भी करना पड़े, मैं पूरी तरह तैयार हूं।कोहली वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे कामयाब बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप में 37 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 59.83 की औसत से 1,795 रन बनाए हैं। इसमें पांच शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सबसे बड़ा स्कोर 117 रन रहा है। अपने पूरे वनडे करियर में, उन्होंने 302 पारियों में 58.59 की औसत से 14,941 रन बनाए हैं, जिसमें 54 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे बड़ा स्कोर 183 रन है और स्ट्राइक रेट 93.95 है।कोहली का टी20 वर्ल्ड कप में भी शानदार रिकॉर्ड रहा। उन्होंने 35 मैचों में 58.73 की औसत से 1,292 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 15 अर्धशतक लगाए, जो टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। उन्हें 2014 और 2016 में दो बार 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया।वहीं, भारत के पूर्व कप्तान और सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि वह आईसीसी वर्ल्ड कप जीतने की अपनी चाहत को कोई ऐसा अधूरा काम नहीं मानते जिसे बस पूरा मान लिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक वह खेलते रहेंगे, तब तक हमेशा कोई न कोई नई चुनौती सामने आती रहेगी। रोहित ने कहा, मेरे मन में कभी यह ख्याल नहीं आएगा कि मेरा काम पूरा हो गया है। जब तक आप खेलते हैं, हमेशा कुछ न कुछ नया करने की उम्मीद रहती है। मैं वर्ल्ड कप का इंतजार कर रहा हूं, यह देख रहा हूं कि आगे मेरे लिए क्या है। जब वर्ल्ड कप खेला जाता है या हम कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलते हैं, तो उसकी अपनी अलग चुनौती होती है, क्योंकि आपका सामना अलग-अलग टीमों से होता है और आप अलग-अलग जगहों पर खेलते हैं। इसी कारण आपको अलग तरह से तैयारी करनी पड़ती है, अलग तरह से सोचना पड़ता है और यही चुनौती है।

पुरखों को जल अर्पण और तर्पण करने नर्मदा तट पहुंचे सैंकड़ों लोग

श्रद्धाभाव के साथ शुरू हुआ श्राद्धपक्ष अमावस्या तक रहेगा जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा तट पर श्राद्ध पक्ष में पहले दिन से ही बड़ी संख्या में तर्पण करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भादों माह की पूर्णिमा से सोलह श्राद्ध की शुरुआत हो गई है। गोलघाट के पास अपने दिवंगत पूर्वजों को जल अर्पण व तर्पण करने वालों की भीड़ लगी रही। यहां पर पंडितों द्वारा बताए जा रहे विधान के अनुसार तर्पण करना शुरू हो गया है। इसके अलावा विवेकानंद घाट, मंगलवारा घाट और कोरी घाट पर भी तर्पण किया जा रहा। यह क्रम अब पितृमोक्ष अमावस्या के दिन तक जारी रहेगा। कुशा नामक घास से तर्पण किया जा रहा है। नर्मदा तट पर पं राजेंद्र शर्मा उनके पुत्र विष्णु शर्मा द्वारा मंत्रोच्चार से तर्पण कराया जा रहा है। बारी-बारी से लोग कतार में तर्पण कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा तर्पण स्थल पर पूजन सामग्री व कुशा भी उपलब्ध कराया जा रहा है। तर्पण कार्य सुबह 7 बजे से शुरू होकर दोपहर तक क्रमानुसार जारी रहेगा।

मांगलिक कार्य निषेध

अब पितृपक्ष में मांगलिक कार्य नहीं होंगे। आचार्य पं अभिलाष शर्मा ने बताया कि 16 दिन तक चलने वाले श्राद्धपक्ष के दौरान लोग पितरों को श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। प्राचीन मान्यता के अनुसार इन 16 दिन हमारे पूर्वज पितृलोक से पृथ्वी लोक पर आते हैं। ऐसे में श्राद्ध के 16 दिन में लोग अपने पितरों को जल अर्पण करते हैं और उनकी मृत्यु तिथि पर श्राद्ध करते हैं। इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है। इस दौरान मांगलिक कार्य निशेध माने जाते हैं। कुछ लोग नए सामग्री नहीं खरीदते हैं। लेकिन अब यह परंपरा पुरानी हो गई है। लोग अपनी जरूरत की नई सामग्री खरीद रहे हैं।

पितृ ऋण से मिलती है मुक्ति

आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने कहा कि श्राद्ध करने से घर में दुख की निवृत्ति होती है और सुख मिलता है। पितरों की पूजा करके मनुष्य आयु, पुत्र, यश, कीर्ति, स्वर्ग और धन-धान्य प्राप्त करता है। देवकार्य से भी पितृकार्य का विशेष महत्व है। देवताओं से पहले पितरों को प्रसन्न करना अधिक कल्याणकारी माना गया है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है। जो श्राद्ध का प्रथम अनिवार्य तत्व है अर्थात पितरों के प्रति श्रद्धा तो होनी ही चाहिए। आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से अमावस्या तक का समय श्राद्ध या महालय पक्ष कहलाता है। इस अवधि के 16 दिन पितरों लिए तय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष में किए गए कार्यों से पूर्वजों की आत्मा को शांति प्राप्त होती है और कर्ता को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।

10 दिवसीय गणेशोत्सव का हुआ समापन

संवाद केंद्र पर विराजे शिवराजेश्वर महागणपति का कृत्रिम कुंड में भावपूर्ण विसर्जन

माटी गणेश सिद्ध गणेश आगमन से शुभता और विसर्जन से अनाशक्ति का संदेश दे विदा हुए विघ्नहर्ता

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद निवास के संवाद केंद्र में विगत दस दिनों से श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जारी गणेश महोत्सव का समापन विराजेश्वर महागणपति के विधिपूर्वक विसर्जन के साथ हुआ। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए भगवान श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा का विसर्जन कृत्रिम कुंड में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों और गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर बप्पा को भावभीनी विदाई दी।भारतीय संस्कृति में गणेश जी की स्थापना और विसर्जन दोनों ही आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत गूढ़ और महत्वपूर्ण माने गए हैं। गणेश जी का दस दिनों के लिए हमारे बीच आगमन इस बात का प्रतीक है कि जब हम ईश्वरीय चेतनाए बुद्धि और विवेक को अपने जीवन में स्थान देते हैंए तो सभी अमंगल दूर होते हैं। वहींए दस दिन बाद उनका विसर्जन हमें माटी से माटी में मिलने का शाश्वत संदेश देता है। माटी गणेश की यह परंपरा दर्शाती है कि प्रकृति से जन्मे विघ्नहर्ता पुनः प्रकृति में ही विलीन होकर हमें अनासक्ति विनम्रता और जीवन की क्षणभंगुरता का बोध कराते हैं।दस दिवसीय इस पावन उत्सव के दौरान संवाद केंद्र पर प्रतिदिन विशेष पूजनए महाआरती एवं विभिन्न आध्यात्मिक.सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें नगर के प्रबुद्धजनों और समाजसेवियों ने बढ़.चढ़कर सहभागिता की। अंतिम दिन महाआरती के उपरांत भक्तों ने अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोषों के साथ भगवान विराजेश्वर महागणपति को विदाई दी। आयोजकों ने इस पूरे उत्सव को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकार अधिवक्ता सौरभ तिवारी के पिताजी पंचतत्व में विलीन

राजघाट पर दी गई श्रद्धांजली

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिला अधिवक्ता संघ के ग्रंथपाल पत्रकार सौरभ तिवारी अधिवक्ता एवं गौरव तिवारी अधिवक्ता के पिताजी सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्णमूर्ति तिवारी पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार नर्मदा तट राजघाट पर हुआ जहां पर विप्र समाज, जिला अधिवक्ता संघ, पत्रकार संघ सहित शहर के नागरिकों ने दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजली दी। उनकी अंतिम यात्रा निज निवास राजा मोहल्ला से राजघाट पर पहुंची। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहर के नागरिक शामिल हुए। पंच तत्व में विलीन होने के उपरांत उपस्थित नागरिकों ने उनकी आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रभु श्री हरि से प्रार्थना की।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की जयंती मनाई

जिला कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवाकांत गुड्डुन पांडेय व कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

इटारसी। नर्मदापुरम। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर इटारसी में स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डुन पांडेय सहित जिला कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया।इस अवसर पर 'जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डुन पांडेय ने कहा कि' डॉ मनमोहन सिंह का जीवन सादगी विद्वता ईमानदारी और राष्ट्रसेवा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में डॉ सिंह ने देश के विकास और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका शांत एवं सरल व्यक्तित्व सदैव सार्वजनिक जीवन में प्रेरणा देता रहेगा।'जिला कांग्रेस संगठन महासचिव मधुसूदन यादव ने कहा कि' डॉ सिंह ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। अर्थशास्त्री वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देश के प्रति उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि डॉ सिंह की नीतियों और उनके सार्वजनिक जीवन से नई पीढ़ी को सीख लेने की आवश्यकता है।'जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने कहा कि' डॉ सिंह भारतीय राजनीति में अपनी विद्वता विनम्रता और सादगी के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास में डॉ सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही तथा प्रधानमंत्री के रूप में उनका दस वर्ष का कार्यकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष पांडेय जिला कांग्रेस संगठन महासचिव मधुसूदन यादव जिला इंटक अध्यक्ष शेख रमजन जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनारायण गौर पूर्व पार्षद लखन राठौर कांग्रेस नेता हरीश मालवीय पहलाद आठनेरे खिलाड़ी भाट जिला कांग्रेस सचिव सुशील बस्तवार ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष चंद्रकांत बाहारे नगर कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता मुकेश शर्मा राहुल दुबे मयंक कलोसिया एवं पुनीत शर्मा आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

जन सेवा से राष्ट्र सेवा का संदेश लेकर इटारसी पहुंची सेवा यात्रा

सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा का हुआ स्वागत

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जन सेवा से राष्ट्र सेवा का संदेश लेकर वडनगर से वाराणसी के लिए निकली सेवा यात्रा शुक्रवार को नर्मदापुरम जिले के इटारसी पहुंची। इटारसी में सेवा यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर साई कृष्णा रिजॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम में सेवा यात्रियों ने सहभागिता की और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया। यात्रा का जिले में आगमन सिवनिमालवा से हुआ।सेवा यात्रा के दौरान युवाओं द्वारा समाज में सेवा, समर्पण, राष्ट्रभक्ति और नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। यात्रा के सदस्य विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रहे हैं तथा स्वस्थ, सकारात्मक और जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प दिला रहे हैं।सेवा यात्रा प्रमुख नदियों का जल लेकर वाराणसी की ओर आगे बढ़ रही है। यात्रा के वाराणसी पहुंचने पर सेवा यात्रियों द्वारा प्रमुख नदियों के जल से भगवान विश्वनाथ का अभिषेक किया जाएगा। यात्रा 7 अक्टूबर को वाराणसी पहुंचेगी, जहां आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे।

नर्मदा किनारे 5 किलोमीटर क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

विभिन्न संदिग्ध स्थलों पर दबिश देकर 45 क्वार्टर देशी मदिरा, 40 बल्क लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा एवं 150 किलोग्राम लहान बरामद

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदा नदी के किनारे 5 किलोमीटर क्षेत्र में अवैध मदिरा के विक्रय एवं निर्माण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में जिला आबकारी विभाग द्वारा वृत्त नर्मदापुरम क्षेत्र के विभिन्न संदिग्ध स्थलों पर दबिश देकर अवैध मदिरा एवं लहान बरामद किया गया।अभियान के तहत बालागंज, मालाखेड़ी, गिन्नी कम्पाउंड, सेठ गुरु प्रसाद स्कूल के आसपास, बंगाली कॉलोनी सिकलीकर, बी.टी.आई. मदरवाड़ा, पिचिंग घाट, भीलपुरा सहित अन्य संदिग्ध स्थलों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 45 क्वार्टर देशी प्लेन मदिरा, 40 बल्क लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा तथा 150 किलोग्राम लहान बरामद किया गया। बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत 27 हजार रुपए बताई गई है।अवैध मदिरा के संबंध में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत 5 प्रकरण कायम किए गए हैं। जिला आबकारी अधिकारी श्री राजीव द्विवेदी ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के संदिग्ध क्षेत्रों में भी अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा अवैध मदिरा से संबंधित गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शा. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित, 120 लोगों की हुई जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत शनिवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।शिविर में सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र, नर्मदापुरम की टीम द्वारा विद्यार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन सहित 120 से अधिक लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई। दृष्टि संबंधी समस्या पाए जाने पर उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में नेत्र सहायक श्रीमती पूजा करादे, जिला समन्वयक सौरभ डोंगरे एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता विमल सिंह राजपूत ने नेत्र परीक्षण किया। साथ ही आंखों की देखभाल, दृष्टि संबंधी समस्याओं, नेत्र रोगों से बचाव तथा नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व पर जानकारी दी।

एसएनजी उमावि में हुआ सेवा संकल्प अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान मेरे सपनो का भारत कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय एसएनजी उमावि नर्मदापुरम में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं प्रदर्शन किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड सिवनी मालवा नर्मदापुरम, केसला, बनखेडी, पिपरिया, सोहागपुर एवं माखननगर के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई चित्रकला का गहनता से अवलोकन किया एवं बच्चों के द्वारा बनाई गई विकसित भारत 2047 पर चित्रकलाओं की तारीफ की गई। उपस्थित अतिथियों के द्वारा बच्चों द्वारा बनाये गए प्रत्येक चित्रों का अवलोकन किया एवं बच्चों के द्वारा बनाई गई चित्रकला पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विकासखण्ड से माध्यमिक स्तरए हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर तथा महाविद्यालय स्तर से चयनित तीन.तीन चित्रकलाओं का अवलोकन किया। इस प्रतियोगिता में समस्त विकासखण्डों से 63 प्रतिभागियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया और सभी विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों के समक्ष बनाई गई चित्रकलाओं का विस्तार से वर्णन किया।इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद माया नारोलिया एवं विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सीतासरन शर्मा उपस्थित हुए। डॉ शर्मा ने बच्चो के द्वारा बनाए गई कलाकृतियों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थियों के द्वारा विकसित भारत 2047 के संकल्प को लेकर आगे बढने हेतु प्रोत्साहित किया गया। राज्य सभा सांसद श्रीमती नारोलिया ने शिक्षा विभाग के द्वारा लगाई गई चित्रकला प्रतियोगिता की सराहना की। उन्होंने आज की युवा पीढी को अपने भविष्य के सपनो को साकार करने के लिये अधिक मेहनत कर आगे बढने हेतु प्रोत्साहित किया।जिला शिक्षा अधिकारी एलएन प्रजापति के द्वारा विद्यालय स्तर से जिला स्तर तक आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। प्रजापति के द्वारा बताया गया कि दिनांक 19 सितंबर 2026 को इस प्रतियोगिता में जिले में संचालित 1044 समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की गई। 21 सितंबर 2026 को विद्यालय स्तर पर इस प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया गया तथा 22 को संकुल स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 24 को विकासखण्ड स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

माध्यमिक स्तर पर आरती पाण्डे कक्षा 8 वीं दिव्य ज्योति उमावि सांडिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर दिव्या नागले कक्षा 7 वीं ईपीईएस हाईस्कूल केसला तथा तृतीय स्थान पर भारती बेलवंशी कक्षा 8 वीं शासकीय पीएमश्री कन्या सोहागपुर रही।

हाई हायर सेकेण्डरी स्तर पर सिद्धी गौहिया कक्षा 11 वीं विंध्यवासिनी उमावि मालाखेडी द्वितीय स्थान पर कंचन जाट कक्षा 12 वीं शासकीय पीएमश्री उमावि बागरातवा रही तथा तृतीय स्थान पर अल्फिया बी कक्षा 10 वीं शासकीय उमावि नर्मदापुरम रही।महाविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान पर शिवानी गौर एसडीएम महाविद्यालय सिवनीमालवा रही द्वितीय स्थान पर पलक गौर वर्धमान महाविद्यालय इटारसी रही तथा ऋषिता वर्मा पंडित रामलाल शर्मा कालेज आफ एजुकेशन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला स्तर पर विजेता समस्त प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के कार्यक्रम में नपाध्यक्ष नीतू महेन्द्र यादव उपाध्यक्ष अभय वर्मा पूर्व विधायक सविता दीवान राजो मालवीय राजेश गौर कुवरं सिंह यादव पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल भाजपा महामंत्री मुकेश चंद्र मैना संभागीय समन्वयक चित्र सेवा शैलेन्द्र दीक्षित जिला सह मीडिया प्रभारी राजा तिवारी प्रसन्न हर्णे रोहित गौर उपस्थित हुए एवं विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई चित्रकलाओं का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में डीपीसी राजेश जायसवाल प्राचार्य संदीप शुक्ला राजेश शर्मा, कीर्ति शिवपुरिया संचालन डीएन व्यास ने गया। जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में मुकेश चंद्र मैना द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

विधि को जानना मानना और प्राप्त कर लेना ही साधना है -मंत्री प्रहलाद पटेल

श्री निर्विकार पथ के दिव्य कार्यक्रम में मंत्री पटेल ने भी गाए भजन

पथिकों संग किया दिव्य चेतना सत्संग

नर्मदापुरम। सोहागपुर नगर में श्री निर्विकार पथ के तत्वावधान में दिव्य चेतना सत्संग एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल पथिक के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भजन 'ओ पागल मानव छोड़ दे झूठी माया' से हुआ। पथिक प्रहलाद पटेल सहित अन्य पथिकों ने भजन.कीर्तन प्रस्तुत किए। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सत्संग को संबोधित करते हुए पथिक प्रहलाद पटेल ने कहा कि विश्वास होता नहीं है विश्वास किया जाता है। विधि और सूत्र के मर्म को समझाते हुए उन्होंने कहा कि विधि को जानना मानना और प्राप्त कर लेना ही साधना है। रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि ज्ञान होने के बाद भी आहार संयम न होने से पतन होता है, इसलिए विधि उसी को मिलनी चाहिए जो आहार संयम का पालन करे। उन्होंने कहा कि पुरुष एक पतंग है और उसकी डोर घर में महिला के हाथ में होती है। जमीन पर रहोगे तो ईश्वर से जुड़े रहोगे, इसलिए नंगे पैर चलो। जहाँ नदियों पहाड़ों और वृक्षों का उद्गम स्थल होता है वहाँ अनन्य ऊर्जा होती है उसे अवरुद्ध नहीं करना चाहिए। नर का मद हरने वाली नदी का नाम ही नर्मदा माँ है।

पथिक प्रहलाद पटेल ने कहा कि दर्शन लाभ चाहिए तो सत्संग में आओ इसकी फीस है मन का कचरा। उन्होंने बताया कि वे 34 वर्ष की आयु में सत्संग से जुड़े थे और राजनीति के कलंक से बचे रहे यह सत्संग का ही प्रताप है। सत्य प्रताड़ित हो सकता है पराजित नहीं। सत्य को प्रमाण नहीं प्रणाम की आवश्यकता है। जीवन में नींद भूख और शौक पर नियंत्रण आवश्यक है।कार्यक्रम में पथिक जालम सिंह पटेल दर्शन सिंह चौधरी ;सांसद पथिक थम्मन शर्मा पथिक देवेन्द्र पटेल ;प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय गुर्जर महासभा पथिक राजा भैया पटेल ;जिला अध्यक्षद्ध पथिक हाकम सिंह गुर्जर जिला पंचायत सदस्य पथिक जितेन्द्र पाराशर सहित बड़ी संख्या में पथिक एवं श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com